वर्ष : 16 ❖ अंक : 244 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 16 अप्रैल 2022

यूपी के विकास के लिए डेटलाइन तय 3 | ईश्वरप्पा का इस्तीफा सरकार के लिए झटका नहीं, सच सामने आएगा : बोम्मई 8

राज्य के बाहर से नियंत्रित हो रही है एसकेएम सरकार : बिराज अधिकारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 15 अप्रैल । हाम्रो सिक्किम पार्टी (एचएसपी) ने राज्य में वन भूमि के अवैध अतिक्रमण तथा इसे लेकर मौजूदा राज्य सरकार के रवैये पर सवाल उठाये हैं। पार्टी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण सिक्किम स्थिति एक दवा कम्पनी द्वारा वन भूमि पर अवैध कब्जा करने के मामले में डीसी कार्यालय के सामने पिछले सात दिनों से धरने पर बैठे युवाओं से मुलाकात भी की।

एचएसपी के प्रवक्ता बिराज अधिकारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि राज्य की वन भूमि की सुरक्षा हेतु युवाओं को सप्ताह भर से भूख हड़ताल पर बैठा देखकर वे स्तब्ध हैं। वहीं राज्य सरकार ऐसा जता रही है कि उन्हें इसकी जानकारी ही नहीं है। जबकि राज्य वन विभाग तथा भूमि राजस्व विभाग के अधिकारी वहां पहुंच चुके हैं। इसी के साथ एचएसपी प्रवक्ता ने यह भी कहा, ऐसा लगता है कि मौजूदा समय में सिक्किम सरकार राज्य के बाहर सिलीगुड़ी, दिल्ली, गुजरात या राजस्थान जैसे स्थानों से चलायी जा रही है। वहीं सिक्किम के युवा अपनी जमीन के लिये लड़ाई लड़ रहे हैं।

एसएचपी प्रवक्ता के अनुसार पिछली राज्य सरकार के शासनकाल में भी युवाओं की उपेक्षा हुई और लम्बे समय तक वे वंचित रहे हैं। अब बदलाव के वादे के साथ सत्ता में आयी मौजूदा राज्य सरकार भी उसी का अनुशरण कर रही है। इस सरकार ने हमारे युवाओं के विरोध को देशद्रोह करार देते हुए विरोध करने वाले कॉलेज विद्यार्थियों को बर्खास्त किया। इस प्रकार यह सरकार युवाओं का भविष्य बिगाड़ रही है।

अधिकारी के अनुसार ऐसे में हाम्रो सिक्किम पार्टी यह कहना चाहती है कि आज तक सभी सरकारों ने सिक्किमवासियों के वास्तविक हितों के लिये कुछ नहीं किया है। आज हमारे बच्चों को सिक्किम की जमीन के लिये लडना पड़ रहा है। हम ऐसा नहीं होने दे सकते और पार्टी भविष्य में हमारे युवाओं को ऐसी स्थिति में नहीं पड़ने देने के लिये प्रतिबद्ध है।

एसएचपी ने आगे आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती सरकारों की तरह ही राज्य की मौजूदा सरकार के शासनकाल में भी सिक्किम में लोकतंत्र खतरे में है। युवाओं की सरकार होने का दावा करने वाली मौजूदा सरकार असल में कुछ चुनिंदा युवाओं के लिये ही है और अन्यों को उपेक्षित ही रखा गया है। युवा सिक्किम का भविष्य हैं और खास कर राज्य की जमीन की लड़ाई लड़ रहे युवाओं की बात तो सुननी ही चाहिये। एसएचपी ने राज्य सरकार से युवा पीढ़ी के लिये खड़ा होने की मांग की है। अन्यथा पार्टी सरकार की इस गतिविधि को युवा विरोधी तथा गैर-लोकतांत्रिक करार देगी।

सभी सोसाटियों को मिलेंगी मिल्क टेस्टिंग मशीन : डॉ. पी. सेंथिल

अनुगामिनी नि.सं.

जोरथांग, 15 अप्रैल । सिक्किम सरकार के पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विभाग के सचिव तथा सिक्किम मिल्क यूनियन के एमडी डॉ. पी. सेंथिल कुमार ने शुक्रवार को जोरथांग डेयरी ख्रलांट का दौरा कर वहां की मौजूदा स्थिति तथा प्रदर्शन का जायजा लिया।

गौरतलब है कि सिक्किम को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लि का जोरथांग डेयरी संयंत्र नामची, सोरेंग तथा गेजिंग जिलों के 300 से अधिक ग्राम दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के 10,700 से अधिक दूध उत्पादक किसानों से प्राप्त दूध की खरीद करता है। राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) द्वारा सहकारिता के तहत दूध किसानों को मिल्क इन्सेंटिव दिये जाने की ऐतिहासिक योजना शुरू करने के बाद इस संयंत्र में भी दूध की खरीद बढ़ गयी है।

वर्तमान में इस संयंत्र में प्रतिदिन 30,000 लीटर दूध का प्रसंस्करण होता है। इसलिए मौजूदा परिस्थितियों में तथा खरीद वृद्धि को देखते हुए इस दुग्ध संयंत्र में सुधार की जरूरत है। इसी के तहत डॉ. सेंथिल कुमार ने आज संयंत्र का दौरा किया। इस दौरान डिप्टी जनरल मैनेजर डॉ. नील कुमार और जोरथांग संयंत्र सिक्किम मिल्क यूनियन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. सेंथिल कुमार को संयंत्र की मौजूदा स्थिति की जानकारी उपलब्ध करायी।

डॉ. सेंथिल कुमार ने यहां दूध की गुणवत्ता तथा माइक्रोबायल क्वालिटी बनाये रखने के महत्व पर जोर दिया और इस प्रक्रिया में टेस्टिंग ढांचे तथा उसमें और अधिक तकनीक लागू करने की जरूरत बतायी। वहीं प्रसंस्करण के सम्बंध में उन्होंने जोरथांग डेयर ख्रलांट के परिचालन विकास, क्षमता विस्तार की योजना तथा इसके त्वरित कार्यान्वयन की जानकारी दी।

अपने दौरे के दौरान एएचवीएस सचिव ने कारफेक्टार फार्म का भी निरीक्षण किया तथा वहां मल्टीस्पेशलिटी कैंसर अस्पताल के लिये जमीन मुहैया कराने की स्थिति और फार्म को पूर्व सिक्किम में स्थानान्तरित करने की कार्य योजना की जानकारी हासिल की। इस दौरान उन्होंने कारफेक्टार पशुपालन केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. फूर्बा से फार्म की स्थिति तथा पशुपालन अधिकारी डॉ. सिद्धांत प्रधान एवं अन्य कर्मचारियों से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की।

इस दौरान डॉ. सेंथिल कुमार ने बताया कि राज्य भर दूध उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु सभी ग्राम दुग्ध सहकारिता सोसाइटियों को ऑटोमेटिक इलेक्ट्रोनिक मिल्क टेस्टिंग मशीनें उपलब्ध करायी जायेंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सिक्किम मिल्क यूनियन के पास राज्य में दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। वहीं उन्होंने किसानों से राज्य में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में सुविधाजनक स्थिति को ध्यान में रख कर दूध उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया।

विधायक आदित्य गोले ने लिंक रोड निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 15 अप्रैल । विधायक आदित्य गोले ने आज सोरेंग जिलान्तर्गत थार्पू में नए लिंक रोड के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उनके साथ कौशल विकास अध्यक्ष बिनोद बस्नेत, जिला पंचायत, पंचायत सदस्य एवं आमलोग उपस्थित थे।

गौरतलब है कि नाबार्ड द्वारा मंजूर धनराशि से निर्मित होने वाली थार्पू जीपीयू के अंतर्गत यह सड़क सिंगताम से सोराते होते हुए रिंगयांग को जोड़ेगी। इस अवसर पर विधायक आदित्य गोले ने कहा कि इस सड़क की मांग स्थानीय लोगों द्वारा लम्बे समय से की जा रही थी। सरकार ने उनकी मांग पूरी की है और इसके लिये उन्होंने आभार व्यक्त किया।

साथ ही गोले ने यह भी बताया कि आने वाले समय में सरकार की अन्य सभी परियोजनाएं भी पूरी की जायेंगी। उन्होंने सम्बंधित लोगों से इसके लिये धैर्यपूर्वक इंतजार करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने किसी भी समुदाय के विकास हेतु सम्पर्क व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस सड़क का निर्माण इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

निष्कासित छात्रों के लिए हो विशेष व्यवस्था : महेश राई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 15 अप्रैल । गेजिंग कॉलेज के 4 निष्कासित छात्रों के लिए पूर्ण न्याय और छात्र प्रतिनिधि परिषदों को पुनर्जीवित करने की मांग एसयूएसए के पूर्व अध्यक्ष महेश राई ने की।

सिक्किम यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एसयूएसए) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि अभी भी गेजिंग कॉलेज की कमी के कारण चार निष्कासित छात्र उचित या पूर्ण न्याय पाने से वंचित हैं क्योंकि उन्हें सिक्किम विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं है। अदालत के आदेश के बावजूद उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि चार निष्कासित छात्रों ने 5वें सेमेस्टर से अपनी कक्षाएं शुरू कीं क्योंकि जब वे निष्कासित हुए वे तीसरे सेमेस्टर में थे। लेकिन विश्वविद्यालय के मानदंड के अनुसार आगे बढ़ने के लिए सभी सेमेस्टर की परीक्षा पास करना जरूरी है। चूंकि इन छात्रों के सेमेस्टर चार की परीक्षा छूट गई इसलिए वे सेमेस्टर पांच की परीक्षा नहीं दे सकते हैं।

इस मुद्दे को उठाते हुए सूसा के पूर्व अध्यक्ष महेश राई ने सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात कर इन छात्रों के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की। श्री राई ने कहा कि उन्हें कालेज प्रशासन की ओर से गैरकानूनी तरीके से निष्कासित किया गया था। इसलिए अदालत ने उन्हें फिर से कालेज में दाखिला देने का आदेश दिया। गैरकानूनी निष्कासन के कारण छात्रों को हुए नुकसान की कालेज को भरपाई करनी होगी।

सोरेंग में मनी बाबा साहेब की जयंती

अनुगामिनी का.सं.

गेजिंग, 15 अप्रैल । बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर की 131वीं जयंती पर पश्चिम सिक्किम के सोरेंग जिलान्तर्गत च्याखुंग क्षेत्र के छोटा सामदोंग में एक विशेष समारोह आयोजित कर समाज में योगदान देने वाले समाज सेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक आदित्य गोले उपस्थित थे।

वहीं उनके अलावा यहां कृषि व बागवानी विभाग के अध्यक्ष सीके राणा, क्षमता निर्माण व कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष बिनोद बस्नेत, नवगठित सोरेंग जिला के जिलापाल भीम थटाल, एसडीएम रंजन राई, एसडीपीओ सोरेंग चंदन छेत्री के अलावा पार्टी के समष्टि स्तरीय अध्यक्ष सुकराज लिम्बू, पूर्व पंचायत, पंचायत, जिला पंचायत, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में डम्बर कुमार सुब्बा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि एआर लिम्बू ने डॉ. अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला।

वहीं इस अवसर पर छोटा सामदोंग ग्राम पंचायत द्वारा समाज में विशेष योगदान देने हेतु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें नियारा प्रोडक्शन, गो च्याखुंग संस्था, ग्राम विकास अधिकारी कैलाश गुरूंग, चुम्बुंग बीडीओ सुवाना लिम्बू, पूर्व जिला पंचायत, पंचायत, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के अलावा अन्य लोगों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदित्य गोले ने अपने सम्बोधन में सम्मानित व्यक्तियों को बधाई देते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण विकास कार्यों में लगभग तीन वर्ष पीछे होने के बावजूद सरकार प्राथमिकता के साथ आवश्यक कार्यों को पूरा कर रही है।

उन्होंने पहले के वक्ता पंचायत अध्यक्ष की मांग पर अपने विचार साझा करते हुए विकास कार्यों में अपनी हरसम्भव स्वीकृति प्रदान करने की बात कही। साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि यदि उनसे कुछ नहीं हुआ तो वह मुख्यमंत्री के समक्ष उन मांगों को पेश करेंगे।

आदित्य गोले ने कहा कि सिक्किम के मौजूदा मुख्यमंत्री ने एक समय में कुछ दिनों तक छोटा सामदोंग में एक शिक्षक के तौर पर कार्य किया था। इसलिए उन्होंने उस स्कूल को एक मॉडल स्कूल बनाने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री ने अन्य समष्टियों की तुलना में सोरेंग क्षेत्र में दोगुना विकास कार्य किये हैं। साथ ही उन्होंने उम्मीद जतायी कि यहां के लोग व्यापारिक क्षेत्र में काफी लाभ उठा सकते हैं। वहीं उन्होंने सोरेंग जिले में एक हजार बेड के अस्पताल निर्माण को स्वीकृति देने हेतु क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

इससे पहले यहां अपने सम्बोधन में पंचायत अध्यक्ष डीके लिम्बू ने कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि सम्मानित हुए लोगों ने समाज की बड़ी सेवा की है और सभी को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिये। साथ ही उन्होंने विधायक आदित्य गोले के समक्ष छोटा सामदोंग जीपीयू के पक्ष में कई मांगें भी रखीं। इनमें सिंगलिंग जाने हेतु सड़क, नॉर्थ-ईस्ट ट्रैवल स्कीम को यहां लाने और उप जिला कार्यालय की स्थापना करने जैसी मांगें शामिल रहीं। साथ ही उन्होंने स्थानीय लोगों को होने वाली समस्या की बात बताते हुए सोरेंग में पुलिस थाना को स्थानान्तरित करने की मांग भी की।

वहीं कार्यक्रम में दूसरे वक्ता के तौर पर नवनियुक्त जिलाधिकारी भीम ठटाल ने सोरेंग जिला को नया न बताते हुए यहां युद्धस्तर पर कार्य किये जाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि कुछ नये और आलसी कर्मचारी इसे नया जिला बताते हुए छुट्टी पाने का बहाना बनाते हैं। साथ ही उन्होंने सोरेंग जिले में सिक्किम संरक्षण हेतु धारा 371एफ, आपदा प्रबंधन तथा जिला कार्यालय में कर्मचारियों की भूमिका जैसे विभिन्न जागरूकतामूलक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के (शेष पृष्ठ ०३ पर)

दिल्ली में फिर डरा रही कोविड-19 की रफ्तार, पिछले एक सप्ताह में हो आइसोलेशन मामलों में 48 प्रतिशत वृद्धि

राजेश अलख

नई दिल्ली, 15 अप्रैल । राजधानी दिल्ली में एक बार फिर कोरोना वायरस के मामलों में तेजी और पॉजिटिविटी रेट दो प्रतिशत से अधिक होने के बीच पिछले एक सप्ताह में होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों की संख्या में लगभग 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आधिकारिक आंकड़ों से मिली जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को होम आइसोलेशन के मामलों की संख्या 574 थी, जबकि 2.39 प्रतिशत के पॉजिटिविटी रेट के साथ कोरोना के 325 नए मामले दर्ज किए गए थे।

पिछले कुछ दिनों में दैनिक मामले बढ़ रहे हैं, जबकि यहां संक्रमण दर चार अप्रैल से एक प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है। चार अप्रैल को यह 1.34 प्रतिशत थी।

राजधानी में कोविड संक्रमण दर क्योंकि एक अप्रैल के 0.57 प्रतिशत से बढ़कर 14 अप्रैल को 2.39 प्रतिशत हो गई है, इसलिए पिछले एक सप्ताह में होम आइसोलेशन कर रहे मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, आठ अप्रैल को, दिल्ली में 1.39 प्रतिशत की संक्रमण दर के साथ 146 नए मामले सामने आए थे और 388 मरीज होम आइसोलेशन में थे। इस अवधि में होम आइसोलेशन करने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जो 14 अप्रैल को बढ़कर 574 हो गई। 11 अप्रैल को यह आंकड़ा 447 था और 13 अप्रैल को यह 504 था। बीते एक सप्ताह में होम आइसोलेशन के मामले में लगभग 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

डॉक्टरों ने मंगलवार को कहा था कि यह चिंताजनक स्थिति नहीं है क्योंकि दैनिक मामलों की संख्या अब भी कम है, लेकिन लोगों को सतर्कता बरतना नहीं छोड़ने के प्रति आगाह किया था।

कई डॉक्टरों ने यह भी कहा था कि लक्षणों की शुरुआत के बाद बहुत कम लोग कोविड टेस्ट के लिए जा रहे हैं और लोग अब घर पर ही ठीक होना पसंद कर रहे हैं, लेकिन संक्रमण दर में वृद्धि के साथ होम आइसोलेशन के मामलों की संख्या में भी समानांतर वृद्धि हुई है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को दिल्ली के कोविड-19 संक्रमितों की कुल संख्या और बीमारी के कारण मरने वालों की संख्या क्रमश: 18,67,206 और 26,158 थी।

राजधानी में संक्रमण दर सोमवार को 2.7 प्रतिशत थी, जो दो महीने में सबसे अधिक थी। पांच फरवरी को यह आंकड़ा 2.87 प्रतिशत था।

रेड पांडा नामची ने फाइनल में बनाई जगह

अनुगामिनी का.सं.

सोरेंग, 15 अप्रैल । सिंगलिंग स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में यहां आयोजित ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में आज रेड पांडा नामची ने एके नाइट्स गंगटोक टीम को 4-0 गोलों से पराजित कर फाइनल में जगह बना ली।

आज मैच के दौरान पूर्व मंत्री रण बहादूर सुब्बा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं उनके साथ प्रतियोगिता आयोजन समिति के संयोजक दिवस गोले, अध्यक्ष अभिषेक पांडे के अलावा क्लब के सदस्यगण और खेल प्रेमी भी यहां मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि सोरेंग स्कूल मैदान में आयोजित उक्त प्रतियोगिता में राज्य एवं इसके बाहर की 8 प्रतिष्ठित टीमों ने हिस्सा लिया है। इनमें आक्रमण एफसी गंगटोक, सिलीगुड़ी कंचनजंगा एफसी, एके अकादमी नाइट्स गंगटोक, संजू फुटबॉल अकादमी सोमबारे, जोर्जेन एफसी कालिम्पोंग, युनाईटेड ब्रदर्स कालिम्पोंग, रेड पांडा नामची और फुटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ऑफ सिक्किम की टीमें शामिल हैं।

आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता की विजेता और उप-विजेता क्लबों (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सोनिया गांधी ने कांग्रेस वर्कर के तौर पर दर्ज कराया नाम, संगठन चुनाव में लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। कांग्रेस के विशेष सदस्यता अभियान के आखिरी दिन शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी पार्टी की डिजिटल सदस्य के तौर पर अपना नाम दर्ज कराया। सोनिया गांधी से पहले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी पार्टी के डिजिटल सदस्य बन चुके हैं। सोनिया गांधी आगामी संगठन चुनाव में हिस्सा लेंगी।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के डेटा विश्लेषण विभाग के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती ने सोनिया गांधी का नाम कांग्रेस के डिजिटल सदस्य के तौर पर शामिल किया। बाद में कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने सोनिया गांधी को डिजिटल पहचान पत्र सौंपा। हाल में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेता पार्टी के डिजिटल सदस्य बने थे।

गौरतलब है कि कांग्रेस ने पिछले महीने अपने विशेष सदस्यता अभियान को 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया था और यह 15 अप्रैल तक चला।

20 राज्यों में चल रहे इस डिजिटल सदस्यता अभियान के माध्यम से 2.5 करोड़ से अधिक सदस्य कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

जिन पांच राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा) हुए थे, वहां डिजिटल सदस्यता अभियान कार्यक्रम को नहीं किया गया।

दक्षिण भारत के पांच राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश से सभी डिजिटल सदस्यों का 55 प्रतिशत हिस्सा हैं। अकेले महाराष्ट्र में सभी सदस्यों का 12 प्रतिशत हिस्सा है।

पहले तय किए गए कार्यक्रम के मुताबिक, पार्टी का सदस्यता अभियान 31 मार्च को संपन्न होने वाला था। यह अभियान पिछले साल एक नवंबर को आरंभ हुआ था।

आजम खां पर नया शिकंजा, 15 साल पुराने मामले में गैर जमानती वारंट जारी

फिरोजाबाद, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा के कद्दावर ने आजम खां की मुश्किलें कम होने की जगह बढ़ती ही जा रही हैं। उन पर नया शिकंजा कस गया है। 15 साल पुराने मामले में एसीजेएम न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। न्यायालय ने 30 अप्रैल को न्यायालय में पेश करने के आदेश दिए हैं। मामला विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उत्तेजक भाषण देने का है।

दो अप्रैल 2007 को आजम खां ने हुसैनी मोहल्ले वाले रास्ते पर सपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया था। आरोप है कि उस समय आजम ने काफी उत्तेजक भाषण देकर आचार संहिता का उल्लंघन किया था। जनपद के आला अधिकारियों ने सीडी देखने के बाद तत्कालीन रिटर्निंग अफसर की ओर से चार अप्रैल को थाना रसूलपुर में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले की जांच रिपोर्ट न्यायालय को सौंप दी थी।

आजम खां ने गिरफ्तारी के मामले में उच्च न्यायालय से स्थगनादेश प्राप्त कर लिया था। मामला एसीजेएम (अपर मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट) अम्बरीश त्रिपाठी के न्यायालय में चल रहा था। उच्च न्यायालय के स्थगनादेश की तिथि समाप्त होने पर उनके अधिवक्ता की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया।

एसीजेएम त्रिपाठी ने स्थगनादेश की समय सीमा समाप्त होने के साथ सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खां के गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए हैं। न्यायालय ने आदेश दिया है कि 30 अप्रैल तक पुलिस उनको न्यायालय में पेश करना सुनिश्चित करें।

योगी सरकार का महिलाओं को बड़ा तोहफा, होमगार्ड में 20 फीसदी सीटों पर रिजर्वेशन

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने होमगार्ड्स में 20 प्रतिशत पदों पर महिलाओं को ही नियुक्त करने की पहल करते हुए इस विभाग में रिक्त पदों को जल्द भरने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार होमगार्ड्स विभाग के रिक्त पदों को भरने और 20 प्रतिशत पदों पर केवल महिलाओं की भर्ती होगी। विभाग के अधिकारियों को 100 दिनों में भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

सरकार का मानना है कि प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाने और आतंरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले होमगार्ड विभाग में इन भर्तियों से महिलाओं के प्रति अपराधों में भारी कमी आएगी। साथ ही प्रदेश में सुरक्षा का माहौल भी विकसित होगा।

सरकार ने अगले 04 वर्षों में होमगार्ड के रक्ति पड़े सभी पदों को चरणवार भरने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। सशक्त नारी, सक्षम युवा और सभी विभागीय रिक्तियों को शीघ्रता से भरने और नौकरियों में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सरकार तेजी से काम कर रही है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स संगठन के लिये भारत सरकार ने वर्तमान में 1,18,348 होमगार्ड स्वयंसेवकों की स्वीकृति दी है। जिनमें 785 ग्रामीण, 366 नगरीय कम्पनियों सहित कुल 1151 कम्पनियों की संरचना की गयी है, जिसमें 25 महिला एवं 60 स्वतंत्र महिला प्लाटूनें भी शामिल हैं।

रेप का केस वापस लेने के लिए टीएमसी नेता के भाई ने धमकाया तो पीड़ित लड़की ने किया आत्मदाह, हालत गंभीर

कोलकाता, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल में नादिया गैंग रेप और आदिवासी लड़की से दुष्कर्म मामले के बाद जलपाईगुड़ी से सनीसनीखेज घटना सामने आई है। यहां रेप का केस वापस लेने की धमकी देने वाले आरोपी से परेशान होकर पीड़िता ने खुद को आग लगा ली। नाबालिग की हालत नाजुक बताई जा रही है।

उधर, आरोपी अजय रॉय और उसके भाई बिजय, जो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ता हैं, को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, आठवीं कक्षा की छात्रा का सिलीगुड़ी शहर के एक सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी मां को उसके साथ रहने की इजाजत दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना जलपाईगुड़ी जिले के मयनागुरी की बताई जा रही है। टीएमसी नेता के भाई द्वारा कथित रूप से बलात्कार पीड़िता ने बार-बार धमकी मिलने के बाद खुद को आग लगा ली। नाबालिग के पिता ने स्थानीय मीडिया को बताया, 'डॉक्टरों ने कहा कि जलने की चोटें गंभीर प्रकृति की हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि अजय रॉय ने 28 फरवरी को नाबालिग से रेप की कोशिश की थी।

पीड़िता के पिता ने कहा, पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद हमें धमकियों का सामना करना पड़ा। आरोपी फरार हो गया था और उसे कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई थी। बुधवार को जब मेरी बेटी घर पर अकेली थी, तो दो युवक हमारे घर आए और अजय के खिलाफ शिकायत वापस नहीं लेने पर उसे और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा, मेरी बेटी इतनी डरी हुई थी कि उसने गुरुवार को खुद को मारने की कोशिश की। उसकी हालत गंभीर है।

सपा विधायक शहजिल को गिरफ्तारी का डर, दाखिल की अग्रिम जमानत अर्जी

बरेली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। सपा विधायक शहजिल इस्लाम गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी है। कोर्ट उनकी अर्जी पर 19 अप्रैल को सुनवाई करेगा।

चार अप्रैल को बारादरी थाने में हिंदू युवा वाहिनी के जिला प्रभारी अनुज वर्मा की ओर से सपा के भोजीपुरा से विधायक शहजिल इस्लाम और समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष संजीव सक्सेना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि विधायक ने मुख्यमंत्री को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की थी।

मुकदमे की विवेचना बारादरी थाने के दरोगा अवधेश यादव कर रहे हैं। ऐसे में मुकदमा की कार्रवाई और गिरफ्तारी से बचने के लिए विधायक शहजिल इस्लाम ने शुक्रवार को अपने अधिवक्ता बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष घनश्याम शर्मा के जरिए अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में आवेदन किया है। कोर्ट ने उनके आवेदन पर सुनवाई के लिए 19 अप्रैल की तारीख मुकर्रर की है। कोर्ट इस मामले में थाना पुलिस से भी आख्या रिपोर्ट तलब करेगा।

इंस्पेक्टर बारादरी नीरज सिंह मलिक ने बताया कि मुकदमा दर्ज कराने वाले हिन्दू युवा वाहिनी के नेता अनुज वर्मा और विधायकों के सम्मान समारोह में उपस्थित करीब आठ लोगों के पुलिस ने बयान दर्ज किए हैं। इसके अलावा पुलिस को वीडियो सीडी भी मिली है, जिसमें विधायक गोलियां चलने की बात कर रहे हैं। तेजी से पूरे मामले की विवेचना की जा रही है।

इंस्पेक्टर बारादरी ने बताया कि हिन्दू युवा वाहिनी के नेता के जरिए मुहैया कराये गये बयानों का वीडियो विधायक शहजिल इस्लाम का है या नहीं, इसकी जांच के लिए वीडियो को फॉरेंसिक लैब भेजा जायेगा।

इससे पूर्व बारादरी थाना पुलिस सोमवार को कोर्ट में विधायक की आवाज का सैंपल लेने के लिए आवेदन करेगी। कोर्ट के आदेश पर सैंपल लेने के बाद वीडियो को फॉरेंसिक लैब भेजा जायेगा। दोनों का मिलान कराया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

यूपी के विकास के लिए डेटलाइन तय, सीएम योगी ने देख कई विभागों का प्रजेंटेशन

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में यूपी के विकास के लिए समयसीमा तय कर दी है। योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराएगी। मुख्यमंत्री ने इसके लिए अधिकारियों को दस लाख करोड़ रुपये के निवेश लाने का लक्ष्य दिया है। साथ ही डिजिशक्ति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमें अगले पांच सालों में दो करोड़ युवाओं को डिजिटल शक्ति से लैस करना है। इसके लिए बिना भेदभाव हर छात्र-छात्रा को टैबलेट-स्मार्टफोन उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कैबिनेट के समक्ष रखे गए औद्योगिक विकास, लोक निर्माण, ऊर्जा समेत कई विभागों की योजनाओं के प्रस्तुतिकरण के मौके पर यह बात कही। उन्होंने पिछली यूपी इन्वेस्टर समिट की याद दिलाते हुए कहा कि उस वक्त 4.68 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव हमें मिले थे।

इनमें से 03 लाख करोड़ से ज्यादा के प्रस्ताव साकार हो रहे हैं। अगले दो वर्ष के भीतर उत्तर प्रदेश 'ग्लोबल इन्वेस्टर समिट' होगी। इस बार हमें 10 लाख करोड़ के निवेश के लक्ष्य के साथ काम करना है। यह ग्लोबल इन्वेस्टर समिट नए यूपी की आकांक्षाओं को उड़ान देने वाली होगी।

सीएम ने ईज आफ डूइंग बिजनेस में पहली रैंकिंग पर जोर देते हुए कहा कि अब टीम यूपी इसी पर काम करेगी। प्रदेश के निर्यात को 02 लाख करोड़ तक ले जाने के लिए 'टीम यूपी' को नियोजित रूप से कार्य करना होगा। इलेक्ट्रिक वाहन नीति, वेयरहाउसिंग लॉजिस्टिक नीति तथा डिफेंस एवं एयरोस्पेस नीति को अपडेट किया जाए।

स्टार्टअप नीति, इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति, डाटा सेंटर नीति में सुधार किया जाए। सौर ऊर्जा से पावरलूम संचालित करने के सम्बंध में नई नीति तैयार की जानी चाहिए। विदेशों में रोज़गार की तलाश करने वालों के अक्सर ठगे/छले जाने की खबरें मिलती हैं। उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम (यूपीएफसी) को विदेशों में रोजगार के लिए राज्य भर्ती एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। इच्छुक लोगों के कौशल विकास, विदेशी भाषाओं का ज्ञान दिलाने के लिए भी कार्ययोजना तैयार की जाए।

सीएम ने कहा कि आगामी 05 वर्ष में बैंकों के सहयोग से क्षेत्र की वार्षिक क्रेडिट को 5 लाख करोड़ तक पहुंचाने का प्रयास हो। इससे लगभग 05 करोड़ रोजगार सृजित होंगे। अगले तीन माह में एक वृहद ऋण मेले का आयोजन किया जाए। जिसमें बैंकों के माध्यम से न्यूनतम एक लाख उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखें।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, ओडीओपी योजना के अंतर्गत 50,000 परम्परागत कारीगरों को प्रशिक्षित किया जाए। 5 वर्ष में न्यूनतम 5 लाख कारीगरों को प्रशिक्षित करते हुए टूल किट प्रदान करने का लक्ष्य रखें। एक जनपद एक उत्पाद सामान्य सुविधा केन्द्र योजना को अवशेष जिलों तक विस्तार दिया जाए।

सीएम ने कहा कि अनुमान के मुताबिक वस्त्र उद्योग में 1 करोड़ के निवेश से रोजगार के लगभग 70 मौके सृजित होते हैं। ऐसे में 05 लाख अवसरों के लिए हमें 7500 करोड़ के निवेश के लक्ष्य के साथ काम करना होगा। इसे शीर्ष प्राथमिकता के साथ पूरी योजना बनाकर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और दुनिया की इंफोटेनमेंट इंडस्ट्री उत्तर प्रदेश की 'फ़िल्म सिटी' की प्रतीक्षा कर रही है। 06 माह में विकासकर्ता का चयन करते हुए अगले 02 वर्ष में संपूर्ण भूमि का हस्तांतरण पूरा करने का लक्ष्य रखें। यूपी की फ़िल्म सिटी पूरी दुनिया को हमारा उपहार होगी। यह रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगी।

100 दिन में यह काम करें

- अटल औद्योगिक अवस्थापना मिशन' की शुरुआत करने की तैयारी करें।
- तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाए।
- राज्य की नई औद्योगिक नीति तैयार की जाए।
- यीडा में टॉय पार्क का शिलान्यास किया जाए

सीएम योगी खास निर्देश

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट , जेवर का संचालन सितंबर 2024 तक शुरू कराएं
- गोरखपुर में गारमेंट और प्लास्टिक पार्क को अगले दो वर्ष में शुरू करने की तैयारी हो
- बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के मुख्य कैरेज-वे का शुभारंभ यथाशीघ्र करने की तैयारी करें
- बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए एनएचएआई के साथ एमओयू की प्रक्रिया जल्द पूरी करें
- यीडा के मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाए
- सभी 3.6 करोड़ राशनकार्ड का विवरण और माध्यमिक शिक्षा के अंकपत्र डिजी लाकर पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था हो
- ग्राम पंचायतों को इण्टरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा 2024 तक मिल जाए
- आगरा, कानपुर और गोरखपुर में फ्लैटेड फैक्ट्री के निर्माण की प्रक्रिया अगले 100 दिन में शुरू कराएं

सीएम के समक्ष हुए प्रेजेंटेशन में लिए गए निर्णय

- अगले पांच वर्षों में 10 हजार किमी सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढीकरण किया जाए।
- 100 दिन में अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन का शुभारंभ
- पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय महा योजना पोर्टल सौ दिन में तैयार होगा
- 100 दिन में उत्तर प्रदेश में कुल 241 नियमों को सरल या खत्म करना।
- एक्सप्रेस वे के किनारे औद्योगिक प्रदेश के विकास एवं विकास मॉडल को अंतिम रूप
- क्लस्टर्स के विकास के लिए 1000 हेक्टेयर भूमि का क्रय/अधिग्रहण (यूपीडा)
- गंगा एक्सप्रेस वे पर योजना 2025 तक पूरी होगी
- नोएडा में मेट्रो रेल 06 माह एक्वा लाइन का विस्तार सिविल कार्य प्रारंभ।
- नॉलेज पार्क 2 से दो साल में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक मेट्रो कॉरिडोर विकास कार्य प्रारंभ।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR VULTURE EVENING

Draw No:172 DrawDate on:15/04/22

1st Prize ₹1 Crore/- 86A 37327

Cons. Prize Rs.1000/- 37327 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02456 09900 16506 17421 48586 49376 56412 64194 86821 99360

3rd Prize ₹450/-

0198 2330 3259 3830 4243 4843 6993 9436 9479 9753

4th Prize ₹250/-

1354 1773 3998 4142 4224 4490 5291 8042 8751 8940

5th Prize ₹120/-

0201 0320 0470 0539 0541 0636 0650 0775 0957 1116
1247 1278 1515 1570 1719 1864 1982 1993 2189 2274
2354 2402 2595 2646 2791 2849 2880 3021 3095 3186
3217 3296 3489 3749 3781 3789 4328 4511 4554 4597
4870 4900 5202 5225 5270 5345 5429 5462 5580 5607
5626 5647 5656 5678 5717 5905 5937 5954 6006 6007
6061 6127 6304 6335 6434 6497 6752 6857 6920 7037
7122 7214 7217 7342 7382 7485 7509 7517 7547 7572
7702 8036 8065 8067 8097 8154 8175 8246 8340 8473
8576 8733 8850 9042 9314 9599 9778 9850 9941 9990

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR HOOGHLY MORNING

Draw No:72 DrawDate on:15/04/22

1st Prize ₹1 Crore/- 96G 77915

Cons. Prize Rs.1000/- 77915 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

05062 34017 45390 53166 67848 73500 74245 77434 97970 98500

3rd Prize ₹450/-

0305 0546 0795 3331 4435 4664 5734 6650 6928 7710

4th Prize ₹250/-

2036 2372 2628 3856 4992 5483 5604 6049 9382 9862

5th Prize ₹120/-

0056 0204 0398 0431 0520 0545 0706 0711 0747 0915
1017 1053 1117 1169 1223 1226 1305 1335 1376 1412
1716 1818 1924 1973 2085 2355 2385 2423 2554 2580
2589 2733 3189 3203 3310 3448 3576 3590 3597 3598
3750 3862 3979 3987 4349 4501 4722 4753 4785 4917
4977 4997 5024 5103 5204 5208 5242 5297 5484 5519
5544 5653 5671 5817 5925 6273 6530 6669 6810 6892
7051 7129 7256 7258 7288 7462 7545 7600 7669 7738
7753 7939 8772 8781 8916 8976 9045 9053 9091 9171
9199 9241 9350 9470 9816 9887 9919 9926 9947 9972

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR EARTH FRIDAY

Draw No:72 DrawDate on:15/04/22

1st Prize ₹1 Crore/- 79H 81104

Cons. Prize Rs.1000/- 81104 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

04469 10378 37128 55404 59044 72845 73813 76729 84977 91286

3rd Prize ₹450/-

1962 2047 3592 3910 4838 5297 5684 7449 9121 9427

4th Prize ₹250/-

1879 6002 6199 6662 7166 7435 7892 9265 9312 9746

5th Prize ₹120/-

0009 0043 0170 0210 0234 0282 0341 0386 0484 0571
0604 0948 1102 1339 1354 1438 1563 1577 1676 1772
2029 2050 2250 2285 2321 2342 2399 2474 2545 2699
2715 3216 3223 3268 3435 3451 3557 3590 3682 3696
3841 3904 3995 4123 4129 4160 4249 4364 4462 4822
5027 5042 5115 5281 5349 5423 5441 5820 6021 6216
6246 6320 6400 6866 7023 7066 7228 7440 7453 7474
7514 7811 7818 7918 7943 7969 8022 8027 8149 8152
8292 8336 8634 8658 8685 8723 8842 8962 9028 9313
9368 9514 9529 9566 9721 9791 9809 9937 9980 9984

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

रेड पांडा नामची .....

को पुरस्कार के तौर क्रमश: 2 और एक लाख रुपये नकद राशि के अलावा आकर्षक ट्रॉफियां प्रदान की जायेंगी। वहीं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं फाइनल के उत्कृष्ट खिलाड़ी को भी सम्मानित किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि सिंगलिंग स्पोर्टिंग एसोसिएशन की स्थापना 2015 में हुई थी। क्लब के अध्यक्ष अभिषेक पांडे ने कहा कि स्थानीय उभरती प्रतिभाओं को फुटबॉल खेल के प्रति प्रेरित करना ही इस प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। इसके साथ ही प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित क्लबों के खिलाड़ियों की भागीदारी से स्थानीय प्रतिभावान खिलाड़ियों को सीखने का मौका मिलेगा।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 18 अप्रैल को खेला जायेगा।

सोरेंग में मनी बाबा .....

साथ आमलोगों तक पहुंच बनाने की जानकारी भी दी। इसके अलावा उन्होंने 'वन डे एट स्कूल कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न जिलों के उच्चाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक करने की जानकारी दी।

वहीं कार्यक्रम में अध्यक्ष सीके राणा ने अपने वक्तव्य में क्षेत्र के किसानों द्वारा कृषि व बागवानी विभाग से पर्याप्त लाभ उठाने की जानकारी दी और आगे भी उनकी मदद का आश्वासन दिया।

हिमाचल प्रदेश में तेजी से विकास के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। चुनौतियों को अवसरों में बदलने के लिए हिमाचल के लोगों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश में तेजी से विकास के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है।

हिमाचल प्रदेश के लोगों को दिए अपने संदेश में, प्रधानमंत्री मोदी ने 1948 में इसके गठन के समय पहाड़ी राज्य की चुनौतियों को याद किया।

पीएम मोदी ने कहा, 'छोटा पहाड़ी प्रदेश होने के कारण, मुश्किल परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण भूगोल के चलते संभावनाओं के बजाय आशंकाएं अधिक थीं। लेकिन हिमाचल के मेहनतकश, ईमानदार और कर्मठ लोगों ने इस चुनौती को अवसरों में बदल दिया। बागवानी, पावर सरप्लस राज्य, साक्षरता दर, गांव-गांव तक सड़क सुविधा, घर-घर पानी और बिजली की सुविधा, जैसे अनेक मानक इस पहाड़ी राज्य की प्रगति को दिखाते हैं।'

उन्होंने कहा, 'बीते 7-8 सालों से केंद्र सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि हिमाचल के सामर्थ्य को, वहां की सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाए। हमारे युवा साथी हिमाचल के जनप्रिय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के साथ मिलकर ग्रामीण सड़कों, हाईवे के चौड़ीकरण, रेलवे नेटवर्क के विस्तार का जो बीड़ा डबल इंजन की सरकार ने उठाया है, उसके परिणाम अब दिखने लगे हैं।'

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'जैसे-जैसे कनेक्टिविटी बेहतर हो रही है, वैसे-वैसे हिमाचल का टूरिज्म नए क्षेत्रों, नए अंचलों में प्रवेश कर रहा है। हर नया क्षेत्र पर्यटकों के लिए प्रकृति, संस्कृति और एडवेंचर के नए अनुभव लेकर आ रहा है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार, स्वरोजगार की अनंत संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं को जिस प्रकार सुधारा जा रहा है, उसका परिणाम कोरोना के तेज टीकाकरण के रूप में हमें दिखा है।'

उन्होंने कहा, 'हिमाचल में जितनी संभावनाएं हैं, उनको पूरी तरह से सामने आने लाने के लिए अब हमें तेजी से काम करना है। आने वाले 25 वर्ष में हिमाचल की स्थापना और देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होने वाले हैं। ये हमारे लिए नए संकल्पों का अमृतकाल है। इस कालखंड में हमें हिमाचल को टूरिज्म, उच्च शिक्षा, रिसर्च, आईटी, बायो-टेक्नॉलॉजी, फूड-प्रोसेसिंग और नैचुरल फार्मिंग जैसे क्षेत्रों में और तेजी से आगे ले जाना है।'

उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में घोषित वाइब्रेंट विलेज स्कीम और पर्वतमाला योजना से भी हिमाचल प्रदेश को बहुत लाभ होगा। ये योजनाएं हिमाचल प्रदेश में दूर-सुदूर में कनेक्टिविटी भी बढ़ाएंगी, टूरिज्म को बढ़ावा देंगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेंगी।

उन्होंने आगे कहा, 'हमें हिमाचल की हरियाली का विस्तार

करना है, जंगलों को अधिक समृद्ध करना है। शौचालयों को लेकर हुआ बेहतरीन काम अब स्वच्छता के दूसरे पैमानों को भी प्रोत्साहित करे, इसके लिए जन भागीदारी को और बढ़ाना होगा।'

राज्य सरकार की प्रशंसा करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं को जयराम सरकार और उनकी पूरी टीम ने बहुत विस्तार दिया है। विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा के मामले में हिमाचल में प्रशंसनीय काम हो रहा है।'

उन्होंने कहा, 'ईमानदार नेतृत्व, शांतिप्रिय वातावरण, देवी-देवताओं का आशीर्वाद और परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले हिमाचल के लोग, ये सब अतुलनीय हैं। हिमाचल के पास तेज विकास के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण में हिमाचल अपने योगदान का निरंतर विस्तार करता रहे, यही मेरी शुभकामना है।'

भारतीय प्रवासियों ने हर जगह भारतीय पहचान को कायम रखा है : राजनाथ सिंह

वाशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि दुनिया में जहां कहीं भी भारतीय मूल के लोग हैं, उन्होंने भारत की पहचान को जीवित रखा है।

इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने अपने मूल देश से हजारों मील दूर अपनी संस्कृति की पूर्ण पहचान को बनाए रखने के लिए भारतीय-अमेरिकी लोगों की सराहना की।

रक्षा मंत्री भारत व अमेरिका के बीच वाशिंगटन डीसी में आयोजित टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता में भाग लेने के लिए यहां आए थे। इसके बाद, उन्होंने हवाई और फिर सैन फ्रांसिस्को की यात्रा की।

अमेरिका की अपनी पांच दिवसीय यात्रा को सार्थक बताते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन के साथ शानदार मुलाकात की।

राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग एवं हिंद-प्रशांत तथा व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र सहित क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक सार्वजनिक स्वागत समारोह में भारतीय-अमेरिकी लोगों के एक समूह से कहा, मैं आपको इस संपूर्ण भारतीय पहचान को कायम रखने के लिए बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा, यह कोई छोटी बात नहीं है। किसी स्थान पर लंबे समय तक रहने क बाद लोग अपनी (सांस्कृतिक पहचान) खो देते हैं। भारत से बाहर रहने वाले भारतीय हमेशा खुद को भारतीय कहने में गर्व महसूस करते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि वह अपने राजनीतिक जीवन में चौथी बार अमेरिका की यात्रा कर रहे हैं और सैन फ्रांसिस्को की यह उनकी पहली यात्रा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में भारतीय समुदाय ने यहां खुद को स्थापित किया है और यह समुदाय के प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने कहा, अगर मैं आधिकारिक दौरे पर नहीं, बल्कि एक राजनीतिक दल के नेता के तौर पर यहां आता, तो मैं उन सभी जगहों पर भारतीय समुदाय से मिलता, जहां-जहां मैं गया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अमेरिका और भारत के संबंध आर्थिक, रणनीतिक और रक्षा के साथ-साथ बहुआयामी हैं। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया जानती है कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक सहयोगी हैं।

उन्होंने जोर दिया कि दोनों देशों के संबंधों में स्थिरता और निरंतरता है और इसके साथ ही इस स्थिरता और निरंतरता को बनाए रखने में दोनों देशों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

राजनाथ सिंह ने कहा, इस जमीनी वास्तविकता की अनदेखी नहीं की जा सकती है। उनका शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को से भारत रवाना होने का कार्यक्रम है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय प्रवासी अमेरिका में नयी ऊंचाइयों की ओर बढ़ते रहे हैं और इस रिश्ते में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने तालियों के बीच कहा कि भारतीय मूल के लोग या प्रवासी यहां जो उपलब्धि हासिल करते हैं, उस पर भारत के लोग हमेशा गौरवान्वित होते हैं। इस क्रम में उन्होंने ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला और गूगल के सुंदर पिचाई का नाम लिया।

कश्मीरी पंडितों पर चुप्पी का आरोप लगाने वाले बुलडोजर पर क्यों हैं शांत : मुफ्ती

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार इन दिनों बुलडोजर को लेकर चर्चा में है। देशभर के विपक्षी नेता भाजपा सरकार पर आरोप भी लगा रहे हैं। इसी कड़ी में अब पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर संविधान पर बुलडोजर चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी के नेताओं के बीच 'मुसलमानों के घर और रोजी रोटी छीनने' की होड़ लगी है।

दरअसल, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को अपने सिलसिलेवार ट्वीट में जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा जिस प्रतिशोध से भारत के संविधान पर बुलडोजर चला रही है, वह अब अल्पसंख्यकों के घरों तक पहुंच गया है। भाजपा नेता मुसलमानों से सब कुछ छीनने में एक-दूसरे को पीछे छोड़ रहे हैं, चाहे वह उनका घर हो, रोजी रोटी हो या सम्मान। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक समुदाय की चुप्पी बेहद चिंताजनक है।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कश्मीरी मुसलमान होने के नाते हम पर कई बार आरोप लगाया जाता है कि हम तब चुप रहे, जब कश्मीरी पंडितों को भागने के लिए मजबूर किया जा रहा था। लेकिन आज के भारत में बहुसंख्यक समुदाय की आपराधिक चुप्पी और भाजपा का भारत के मूल विचार को खत्म करना बेहद चिंताजनक और परेशान करने वाला है।

बता दें कि महबूबा मुफ्ती की यह टिप्पणी मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में हुए बवाल के बाद आई है। यहां रामनवमी के जुलूस पर पथराव करने के आरोपियों के कम से कम 50 'अवैध' ढांचे गिरा दिए गए। आरोप है कि खरगोन जिले में रामनवमी के जुलूस के दौरान मस्जिद के पास कथित तौर पर तेज संगीत बजाया जा रहा था और इसी दौरान जुलूस पर पत्थर फेंका गया।

इस घटना के बाद वहां आगजनी और सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हो गया था। इसके बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया। घटना को लेकर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि इस हिंसा में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली गई है। सीएम ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, मध्यप्रदेश की धरती पर दंगाइयों के लिए कोई स्थान नहीं है। यह दंगाई चिन्हित कर लिए गए हैं, इनको छोड़ा नहीं जाएगा।

हनुमान जयंती पर गुजरात के मोरबा में लगेगी 108 फीट ऊंची मूर्ति, पीएम करेंगे अनावरण

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर गुजरात के मोरबी में भगवान हनुमान की 108 फीट ऊंची मूर्ति का अनावरण करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।

पीएमओ के मुताबिक, भगवान हनुमान से संबंधित चार धाम परियोजना के तहत देश के चारों दिशाओं में हनुमान की मूर्ति स्थापित की जानी है। इस कड़ी में यह हनुमान की दूसरी मूर्ति होगी जो पश्चिम दिशा में होगी। इसकी स्थापना मोरबी के बापू केशवानंद आश्रम में की गई है। इस श्रृंखला की पहली मूर्ति वर्ष 2010 में उत्तर दिशा में यानी शिमला में स्थापित की गई है। पीएमओ ने कहा कि दक्षिण दिशा में यह मूर्ति रामेश्वरम में स्थापित की जानी है और इसका काम भी आरंभ हो गया है।

भारतीय मानक ब्यूरो
[उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार]
मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-110002

संसूचक विज्ञापन संख्या. 02/2022/स्था.

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सांविधिक और भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है। यह देश में मानकीकरण, उत्पाद एवं पद्धति प्रमाणन, सोने/चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग, प्रयोगशाला परीक्षण इत्यादि के क्षेत्र में गतिविधियां संचालित करता है। बीआईएस मुख्यालय, नई दिल्ली और देश में स्थित बीआईएस के कार्यालयों में सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार रिक्त पदों को भरने हेतु पात्र उम्मीदवारों से **ऑनलाइन आवेदन** आमंत्रित करता है :

1. रिक्तियों का विवरण :

क्र.स.	पद का नाम	पद का वेतन लेवल	अधिकतम आयु सीमा	कुल रिक्त पद	सामान्य	ईडब्ल्यूएस	अनु.जाति	अनु.जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	क्षैतिज रिक्तियाँ	
										दिव्यांग	भूतपूर्व सैनिक
	प्रशासन एवं वित्त पद										
समूह –क पद (प्रतिनियुक्ति द्वारा भरा जाना)											
1.	निदेशक (विधि)	लेवल-12 (रु. 78800-209200)	56 वर्ष	01	लागू नहीं						
समूह – क पद (सीधे भर्ती द्वारा भरा जाना)											
2.	सहायक निदेशक (हिंदी)	लेवल-10 (रु. 56100-177500)	35 वर्ष	01	01	-	-	-	-	-	-
3.	सहायक निदेशक (प्रशासन एवं वित्त) – प्रशासन हेतु	लेवल-10 (रु. 56100-177500)	35 वर्ष	01	-	-	01	-	-	-	-
4.	सहायक निदेशक (विपणन एवं उपभोक्ता मामले)	लेवल-10 (रु. 56100-177500)	35 वर्ष	01	-	-	-	-	01	-	-
समह- ख पद (सीधे भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
5.	निजी सहायक	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	28	13	02	04	02	07	02(01 VI,01 HI)	-
6.	सहायक अनुभाग अधिकारी	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	47	19	05	06	03	14	01(HI)	-
7.	सहायक (कम्प्यूटर एडिड डिजाइन)	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	02	02	-	-	-	-	-	-
समूह – ग पद (सीधे भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
8.	आशुलिपिक	लेवल-4 (रु. 25500-81100)	27 वर्ष	22	11	03	-	02	06	01 (ID& MIMD)	02
9.	वरिष्ठ सचिवालय सहायक	लेवल-4 (रु. 25500-81100)	27 वर्ष	100	42	10	15	06	27	04(01 VI,01 HI,01 लोको मोटर,01ID& MI,MD)	10
10.	बागवानी पर्यवेक्षक	लेवल – 2 (रु. 19900-63200)	27 वर्ष	01	01	-	-	-	-	-	-
	प्रयोगशाला तकनीकी पद										
समूह – ख पद (सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
11.	तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	47	21	03	10	05	08	01(HI)	-
	विषय वार रिक्त पद										
	यांत्रिकी			19	09	01	04	02	03	-	
	रसायन			18	08	01	04	02	03	-	
	सूक्ष्मजीवविज्ञान			10	04	01	02	01	02	-	
समूह – ग पद (सीधी भर्ती द्वारा भरे जाये)											
12.	वरिष्ठ तकनीशियन	लेवल-4 (रु. 25500-81100)	27 वर्ष	25	10	03	04	02	06	01(नेत्र हीन)	02
	विषय वार रिक्तियाँ										
	बढई			06	02	01	01	-	02	-	-
	वेल्डर			02	-	-	01	-	01	-	-
	प्लम्बर			03	02	-	-	01	-	-	-
	फिटर			03	02	-	-	01	-	-	-
	टर्नर			05	02	01	01	-	01	-	-
	इलेक्ट्रिशियन			06	02	01	01	-	02	-	-

आवेदन कैसे करें :
2. उम्मीदवारों को केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से आवेदन करना है और किसी अन्य तरीके से आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएगें। ।
3. आवेदनों का ऑनलाइन पंजीकरणः **19 अप्रैल 2022 (00.00 बजे) से 09 मई 2022 की मध्यरात्रि तक होगा।**
4. योग्यता, अनुभव, सामान्य निर्देशों आदि के बारे में अधिक विवरण/जानकारी के लिए कृपया हमारी सेवाएं (कैरियर के अवसर) शीर्षक के तंहत बीआईएस की वेबसाइट www.bis.gov.in देखें।

दिनांक 16-04-2022

निदेशक (स्थापना)
भारतीय मानक ब्यूरो

davp 08103/12/0001/2223

Azadi Ka Amrit Mahotsav

STATE POLLUTION CONTROL BOARD- SIKKIM
FOREST & ENVIRONMENT DEPARTMENT
GOVERNMENT O SIKKIM
DEORALI, GANGTOK – 737 101

F.No. 1074/SPCB/287 Dated 11/04/2022

NOTICE INVITING REQUEST FOR PROPOSAL

SPCB-Sikkim invites Request for Proposal (RFP) from reputed agencies/organization/firms having experience in the field of environmental monitoring for development, installation, operation and maintenance of a real time continuous river water quality monitoring system in accordance with such terms and conditions prescribed hereunder:

Time schedule of RFP:

Sl.No.	Particular	Date/Time (Proposed)
1.	Publication of Invitation of RFP	13/04/2022
2.	Last date for Tender document download	30/04/2022
3.	Pre-Bid Meeting at the office of Member Secretary, SPCB-Sikkim	02/05/2022
4.	Late date and time of submitting the technical and financial bid at SPCB-Sikkim, Deorali	09/05/2022
5.	Opening of Technical Bid	17/05/2022
6.	Opening of Financial Bid	17/05/2022

The application should be addressed to the Member Secretary, SPCB-Sikkim, Block C, Forest Secretariat, Deorali, Gangtok, Sikkim and sent by registered post or email to spcbsikkim@gmail.com

Complete RPF document can be downloaded from the website: **https://spcb.sikkim.gov.in**

Applicants are advised to check the website on a regular basis. Any subsequent notice/ information regarding this tender shall be uploaded on the websites only.

(Dr. Gopal Pradhan)
Member Secretary
State Pollution Control Board- Sikkim

R.O. No.: 11/IPR/PUB/Classi/22-23
Date: 11.04.2022

संपादकीय पृष्ठ

न्याय पर बोझ

त्वरित न्याय ही वास्तविक न्याय होता है और त्वरित न्याय के लिए पूरे संसाधन और पर्याप्त न्यायाधीश भी होने चाहिए। अत: अपने देश के प्रधान न्यायाधीश का यह इशारा स्वाभाविक और स्वागतयोग्य है कि न्यायपालिका पर बहुत बोझ है और पर्याप्त संख्या में अदालतें होंगी, तो ही न्याय संभव है। बीते वर्ष से ही देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाइयों के दौरान ट्रिब्यूनल में रिक्त पदों का मुद्दा उठता रहा है। शीर्ष अदालत की नाराजगी भी सामने आती रही है। यह अपने आप में गंभीर बात है कि देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायपालिका में कमी को लेकर एकाधिक बार अपनी राय रख चुके हैं। प्रधान न्यायाधीश ने शुक्रवार को तेलंगाना स्टेट ज्युडिशियल कॉन्फ्रेंस 2022 को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका का बुनियादी ढांचा और रिक्त पदों पर भर्तियां चिंता का मुख्य विषय हैं। न्याय तक पहुंच तभी संभव है, जब हमें पर्याप्त संख्या में अदालतें मिलेंगी।

यह अपने आप में बेहद संवेदनशील विषय है कि न्यायपालिका में नियुक्तियों में देरी हो रही है। सरकार को देखना चाहिए कि बाधा कहां है? अदालतों ने पहले भी न्यायपालिका के विस्तार का पक्ष लिया है, लेकिन प्रशासन बहुत सजग नहीं दिखता। भारतीय न्यायपालिका पर जो बोझ है, वैसा दुनिया की किसी न्यायपालिका पर नहीं है। अभी भी मामलों को न्याय तक पहुंचने में तीस-चालीस साल भी लग जा रहे हैं। पुराने मुकदमों का निपटारा जल्दी नहीं हो रहा है और नए मुकदमे बढ़ते जा रहे हैं। यह बात अलग है कि कई मुकदमे प्रशासन की कमियों की वजह से हैं। खासकर गैर-फौजदारी मामलों में बहुत कमी आ सकती है, लेकिन प्रशासन का काम करने का तरीका निचले स्तर पर अपेक्षित गति से सुधर नहीं रहा। अदालतों के कागजी कामकाज का विस्तार भी लगातार हो रहा है, अत: न्याय में देरी ज्यादातर मामलों में एक सच्चाई है। न्याय में देरी से कुछ लोगों को फायदा होता है, लेकिन कुल मिलाकर शासन-प्रशासन की छवि खराब होती है। आम लोगों की नजर में न्याय या अन्याय अंतत: सरकार की जिम्मेदारी है। फिर भी कोई भी राजनीतिक दल त्वरित न्याय को लेकर चिंतित नहीं दिखता। किसी के भी घोषणापत्र में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की कोई रूपरेखा नहीं होती है। ऐसे में, हमारे न्यायाधीशों की शिकायत जायज है। क्या हमारी राजनीतिक पार्टियां लोगों को त्वरित न्याय का वादा नहीं कर सकती हैं? क्या यह लोकहित का मामला नहीं है?

आज न्यायपालिका का विस्तार जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसमें समय के साथ आंतरिक सुधार। एक अनुमान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में साल भर में 200 दिन भी सुनवाई नहीं होती है। उच्च न्यायालयों में करीब 210 दिन और निचली अदालतों में करीब 245 दिन ही काम होता है। सर्वोच्च न्यायालय में करीब 73,000 मामले और भारत की सभी अदालतों में लगभग 4.40 करोड़ मामले लंबित हैं। मुकदमों की संख्या में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। नीति आयोग के एक रणनीति पत्र के मुताबिक, अदालतों को तमाम दर्ज मामले सुलझाने में अभी के हिसाब से करीब 324 साल से अधिक समय लग जाएगा। हजारों मामले तीस-तीस साल से लंबित हैं। अत: न्यायपालिका के बोझ को हल्का करने और उसे त्वरित न्याय की दिशा में प्रेरित करने के भगीरथ प्रयासों की जरूरत है। त्वरित न्याय समाज में सुख-शांति और कानून के राज के लिए भी जरूरी है।

हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्वीकार करने में आखिर दिक्कत क्या है?

अजय बोकिल

राजभाषा हिन्दी की देशव्यापी स्वीकार्यता के आग्रह को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाषाई सियासत के तालाब में जो पत्थर फेंका है, उसकी अपेक्षित प्रतिक्रियाएं ही आ रही हैं। शाह के बयान को हिन्दी के भारतीय भाषाओं पर अतिक्रमण, गैर हिन्दीभाषी राज्यों पर हिन्दी थोपने और हिन्दी हिंदू हिंदुस्तान की भाजपा की राजनीति का देश के सीमांत तक विस्तार की साजिश के रूप में निरूपित किया जा रहा है।

शाह ने हाल में संसदीय राजभाषा समिति की 37 वीं बैठक में कहा कि देश में हिन्दी को अंग्रेजी के विकल्प के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए, न कि स्थानीय भाषाओं के लिए। उन्होंने कहा कि यह हिन्दी शब्दकोश के संशोधन करने का समय है।

केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट का 70 फीसदी एजेंडा अब हिन्दी में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने 9वीं क्लास तक के बच्चों के लिए हिन्दी के प्रारंभिक ज्ञान और हिन्दी शिक्षण परीक्षाओं पर अधिक ध्यान की जरूरत पर भी जोर दिया। सबसे महत्वपूर्ण बात शाह ने यह कही कि आज राजभाषा (हिन्दी) को देश की एकता का महत्वपूर्ण अंग बनाने का समय आ गया है। जब हिन्दीतर भाषा बोलने वाले राज्यों के लोग आपस में संवाद करते हैं, तो यह भारत की भाषा में होनी चाहिए।

मोटे तौर पर शाह के बयान में ऐसा कुछ नहीं था, जिसका विरोध किया जाए। फिर भी राजनीतिक कारणों से तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और असम आदि राज्यों से विरोध के स्वर उठने शुरू हुए। कांग्रेस नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ट्वीट किया, 'एक कन्नड़ के रूप में, मैं गृहमंत्री अमित शाह की आधिकारिक भाषा और संचार के माध्यम पर टिप्पणी के लिए कड़ी निंदा करता हूं। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है और हम इसे कभी नहीं होने देंगे।'

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी ने कहा कि हम हिन्दी का सम्मान करते हैं लेकिन हिन्दी थोपने का विरोध करते हैं। वहीं शिवसेना ने आरोप लगाया कि शाह का बयान क्षेत्रीय भाषाओं के मूल्य को कम करने का एजेंडा है। खुद को अखिल भारतीय पार्टी मानने वाली कांग्रेस ने बीजेपी पर सांस्कृतिक आतंकवाद का आरोप लगाया है।

उधर राष्ट्रीय छवि बनाने के इच्छुक और राजनीति में उतरने का साहस न कर पाने वाले तमिल अभिनेता रजनीकांत ने कहा कि पूरे भारत में एक ही भाषा की संकल्पना संभव नहीं है। हिन्दी को थोपे जाने की हर कोशिश का विरोध होगा। यही नहीं हिन्दी रसिकों से खूब प्यार पाने वाले संगीतकार ए.आर.रहमान और दक्षिण के अभिनेता प्रकाशराज ने भी शाह के बयान की कड़ी आलोचना की।

इस विरोध की गहराई में जाने से पहले जमीनी सच्चाई को भी समझना होगा। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने तक हिन्दी को राजभाषा बने भी 73 साल हो गए हैं। यानी दो साल बाद राजभाषा हिन्दी का भी अमृत महोत्सव वर्ष होगा। बावजूद इसके हिन्दी राष्ट्रभाषा बनने के लिए अभी भी संघर्ष कर रही है। ऐसा कोई भी विचार उभरते ही उस पर जवाबी हमले शुरू हो जाते हैं।

यह हकीकत है कि आज भी केन्द्र सरकार और कॉरपोरेट में काम काज की और संपर्क भाषा मुख्य रूप से अंग्रेजी ही है। चूंकि हिन्दी का बाजार बड़ा है, इसलिए अब वो बाजार की भाषा बनकर अंग्रेजी को टक्कर दे रही है। लेकिन वह प्राथमिकता में नहीं है। इसके बावजूद यह हिन्दी की ताकत ही है कि पर्याप्त सरकारी समर्थन न मिलने और गैर हिन्दी भाषी राज्यों में राजनीतिक विरोध के बाद भी अपने आंगन का विस्तार करती जा रही है।

अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई के सामाजिक पागलपन के बाद भी आज देश में अंग्रेजी बोलने वालों की संख्या 2.6 लाख लोग ही है। ये आंकड़े 2011 की जनगणना के हैं। जबकि देश में 8.3 करोड़ लोगों की अंग्रेजी दूसरी भाषा है। केन्द्र सरकार, कारपोरेट के काम काज आदि में अंग्रेजी का प्रयोग भले होता हो, लेकिन अंतर प्रांतीय जनसपंर्क की भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता निरंतर बढ़ रही है, क्योंकि इसका कोई विकल्प है ही नहीं।

अंग्रेजी की तरह हिन्दी की पाचन शक्ति भी तगड़ी है। शायद इसी बात का डर अन्य भारतीय भाषाएं बोलने वालों को है। आधुनिक मराठी, गुजराती, पंजाबी और यहां तक कि बांग्ला और असमिया पर भी हिंदी का यह असर साफ देखा जा सकता है। लेकिन यह भाषाओं का साहचर्य है, साम्राज्यवाद नहीं।

यदि अमित शाह ने कहा कि हिन्दी को देशव्यापी संपर्क भाषा के रूप में अंग्रेजी का विकल्प बनना चाहिए तो इसमे गलत कुछ भी नहीं है, क्योंकि सरकार न चाहे तो भी वैश्वीकरण और बाजार की व्यापकता ने हिन्दी को नए पंख दे दिए हैं। धुर दक्षिण के राज्यों को छोड़ दें तो आज 28 में से 25 राज्यों की युवा पीढ़ी हिन्दी से वाकिफ है, उसका अपने ढंग से प्रयोग करती है।

यूं देश में घोषित रूप से हिन्दी भाषी राज्य 10 ही हैं, लेकिन अन्य 15 राज्यों में उसकी उपस्थिति महत्वपूर्ण और दूसरी प्रमुख भाषा के रूप में है। पूर्वोत्तर के राज्यों में जिस तरह बिहारी और नेपाली लोगों ने हिन्दी का प्रसार किया है, वह चौंकाता है। मिजोरम और नागालैंड के कुछ हिस्सों को छोड़ दें तो हिन्दी वहां हर जगह समझी और अपने अंदाज में बोली भी जाती है।

तकरीबन यही स्थिति देश के उत्तर पश्चिमी राज्यों में है। मातृ भाषा के तौर हिन्दी बोलने वालों की संख्या सबसे ज्यादा बढ़ी है।

आज देश के 52.8 करोड़ लोग यानी देश की 43.6 फीसदी आबादी की मातृभाषा है। करीब 13.9 करोड़ लोगों के लिए हिन्दी दूसरी भाषा है। कुल मिलाकर यह आंकड़ा देश की कुल आबादी का 55 फीसदी से अधिक होता है। हिन्दी बोलने समझने वालों की संख्या पिछले 40 सालो में 161 फीसदी बढ़ी है।

अन्य भारतीय भाषाओं का दायरा मुख्य रूप से सम्बन्धित राज्यों तक ही सिमटा है। हिन्दी की स्वीकार्यता बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण है, उसका अपेक्षाकृत सरल और सर्वग्राही होना। यही कारण है कि मानक हिन्दी के साथ-साथ उसके स्थानिक रूप भी मान्य हैं। वह संचारक्षम है और आपकी बात को देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाती है।

इसका सबसे बढ़िया उदाहरण हिन्दी टीवी चैनल हैं, जिन पर आजकल वो लोग भी हिन्दी में बात करते दिखते हैं, जो पहले हिन्दी के नाम पर नाक भौं सिकोड़ते थे। पिछले दिनों हिन्दी की बोलियों को हिन्दी से अलग करने की कोशिशें हुईं, लेकिन नाकाम रहीं।

यहां सबसे बड़ा और अहम सवाल यह है कि भारत एक विदेशी भाषा को आखिर कब तक ढोता रहेगा? क्या यह स्थिति अनंतकाल तक चलने दी जा सकती है? हम अपनी ही भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार क्यों नहीं कर सकते? वोट के लिए भाषा की राजनीति जरूरी हो सकती है, लेकिन भाषा केवल वोटों की पगडंडी के सहारे नहीं बढ़ती, न बढ़ सकती है।

आत्म सम्मान, भाषा के चलने वाला गौरव, ज्ञान-विज्ञान, राष्ट्र प्रेम और सांस्कृतिक अभिमान किसी भी भाषा को लोकप्रिय और व्यापक बनाता है। जिस देश में दर्जनों भाषाएं बोली और लिखी जाती हों, जिनके साथ क्षेत्रीय अस्मिता और इतिहास भी जुड़ा हो, उनका राष्ट्रीय विकल्प केवल हिंदी ही हो सकती है। क्योंकि हिन्दी का स्वभाव उस गंगा की तरह है, जो दूसरी नदियों को अपने साथ समाहित करती हुई स्वयं महानदी बनकर आगे बढ़ती है। शाह स्वयं अहिन्दी भाषी हैं, लेकिन उन्होंने जो कहा है, जो भविष्य की आहट है, इसमें दो राय नहीं।

लापरवाही के भरोसे रहना घातक

रोहित कौशिक

कोरोना ने जिन परिवारों पर अपना कहर बरपाया है, उस दर्द को वे ताउम्र नहीं भूल पाएंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या आम जनता उस दर्द को महसूस करके कोराना के खतरे के प्रति जागरूक और गंभीर है?

इन दिनों जिस तरह से मास्क और कोरोना की अन्य हिदायतों के प्रति जनता द्वारा लापरवाही बरती जा रही है, वह कोरोना के नये वेरिएंट्स के मद्देनजर विस्फोटक स्थिति को जन्म दे सकती है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब कई देशों में कोरोना के नये वेरिएंट एक्सई ने दस्तक दे दी है तब भारत में सरकार ने कोरोना से जुड़ी सारी पाबंदियां हटा ली हैं। अब केवल मास्क लगाने और सामाजिक दूरी बनाए रखने का नियम ही लागू रहेगा। लेकिन इस नियम की जिस तरह से धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, उससे भविष्य में किसी गंभीर खतरे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। दरअसल, मास्क लगाने और सामाजिक दूरी के नियम की अनिवार्यता को भी खत्म कर दिया गया है। बस इतना भर कहा गया है कि लोगों को इन नियमों का पालन करते रहना चाहिए ताकि कोरोना के संक्रमण से खुद को बचाए रख सकें। इन नियमों का पालन न करने पर जुर्माने की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है, इससे भी लोगों में लापरवाही बढ़ गई है। मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि आपदा के समय हमें सारी हिदायतें याद आ जाती हैं, लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य होती है, हम लापरवाह हो जाते हैं। इस कठिन दौर में सवाल यह है कि क्या अपने भविष्य को इस लापरवाही के भरोसे छोड़ना जायज है?

दरअसल, इस समय भारत समेत विश्व के कई देशों में कोरोना के नये एक्सई वेरिएंट का खतरा मंडरा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार एक्सई वेरिएंट, ओमिक्रोन वेरिएंट के दो स्ट्रेन्स बीए.1 और बीए.2 से मिल कर बना है। यही कारण है कि यह वेरिएंट ज्यादा ताकतवर माना जा रहा है। दूसरी तरफ, आईआईटी के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि भारत में जून में कोरोना की नई लहर शुरू होगी जो अगस्त में अपने पीक पर होगी। हालांकि कई विशेषज्ञ दावे पर एकमत नहीं हैं। इस दावे से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन इस बात पर सभी सहमत हैं कि सावधानी नहीं बरती गई तो कोरोना की नई लहर को नकारा नहीं जा सकता।

सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि कोरोना का वायरस लगातार अपना रूप बदल रहा है। भारत में अभी बड़ी आबादी को टीका नहीं लग पाया है। इस स्थिति के लिए कुछ हद तक जागरूकता का अभाव और कई तरह के भ्रम भी जिम्मेदार हैं। इसलिए एक तरफ सरकार और सामाजिक संगठनों को टीका लगाने की तीव्रता बढ़ानी होगी तो दूसरी तरफ जनता को जागरूक करने के लिए भी लगातार प्रयास करने होंगे। गौरतलब है कि हाल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिल्ली, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र और मिजोरम में कोरोना के मामले बढ़ने के कारण सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, जनता कोरोना के मामले में पहले से ही लापरवाही बरत रही थी लेकिन अब सरकार ने जिस तरह से एकदम कोरोना से जुड़ी पाबंदियां हटाने का फैसला किया है, उससे पूरी तरह बेफिक्र हो गई है।

जनता की यह बेफिक्री नई मुसीबत खड़ी कर सकती है। अगर सरकार और हम यह मानकर चल रहे हैं कि कोरोना का खतरा खत्म हो गया है, तो यह बहुत बड़ी भूल है। कोरोना का खतरा टला नहीं है, बल्कि अब कोरोना के मामले में कई तरह की चुनौतियां बढ़ गई हैं। जिस तरह से विदेशी उड़ानों के मामले में लापरवाही बरती जा रही है, उससे तो यही सिद्ध होता है कि सरकार सिर्फ वर्तमान स्थिति पर ध्यान दे रही है। उसे भविष्य की चिंता नहीं है।

ऐसे मामलों में जब सरकारी पाबंदियां हटती हैं, तो हमारे अंतर की मानसिक पाबंदियां भी हट जाती हैं। इसलिए सरकार को ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास नहीं करना चाहिए, जिससे जनता के बीच यह संदेश जाए कि कोरोना पूरी तरह से खत्म हो गया है। सरकार को कोशिश करते रहनी होगी कि एक तरफ कोरोना को लेकर जनता के बीच अनावश्यक डर भी पैदा न हो और दूसरी तरफ जनता कोरोना के प्रति लापरवाह भी न हो सके। इस मामले का दुखद पहलू यह है कि हम सारी जिम्मेदारी सरकार पर डालने के अभ्यस्त हो गए हैं। जहां हमारी जिम्मेदारी है, वहां हमें उस जिम्मेदारी को स्वीकार करना होगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पिछले दो सालों में हम अपनी जिम्मेदारी गंभीरतापूर्वक नहीं निभा पाए। चाहे चुनावी रैलियां हों या फिर व्यस्त बाजार में हमारा व्यवहार हो, हम हर जगह लापरवाह ही नजर आए। सर्वविदित है कि जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार के माध्यम से ही हम कोरोना के खतरे को कम कर सकते हैं। आज जिस लापरवाही के साथ मास्क और सामाजिक दूरी को त्याग दिया गया है, वह एक नये खतरे की ओर संकेत कर रहा है। स्वयं पर कुछ पाबंदियां लगा कर ही हम कोरोना के खतरे को कम कर सकते हैं।

कोताही नहीं चलेगी

दिल्ली, मुंबई और हरियाणा में कोविड-19 के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिल्ली में बुधवार को 299 लोग पॉजिटिव पाए गए। इससे एक दिन पहले इनकी संख्या 202 थी। 10 मार्च के बाद पहली बार राजधानी में मरीजों की संख्या 200 से ऊपर पहुंची है। मुंबई में बुधवार को कोविड-19 के 73 नए मरीज मिले। यह 17 मार्च के बाद इनकी सबसे अधिक संख्या है। हरियाणा में 5 मार्च के बाद बुधवार को सबसे अधिक 179 मरीज पॉजिटिव पाए गए। पहली नजर में यह संख्या कम लगती है, लेकिन बुधवार के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 2.49 फीसदी है, जो पिछले तीन महीने का पीक है। एक अहम बात यह भी है कि अभी बहुत अधिक टेस्ट नहीं हो रहे। जैसे, दिल्ली में 12 हजार से अधिक मरीजों की जांच में 299 लोग पॉजिटिव मिले। इसलिए मरीजों की असल संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। फिर भी इन आंकड़ों से इतना तो पक्का है कि सरकारी एजेंसियों और लोगों को सावधान हो जाना चाहिए। देश में चौथी लहर की आशंका पहले जताई जा चुकी है और अभी दुनिया के कई देशों में वायरस का संक्रमण काफी तेज है। ऐसे में कोविड प्रोटोकॉल, सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क लगाने को लेकर सचेत हो जाना चाहिए। इसके साथ राहत की बात यह है कि हालिया मामलों में बहुत कम लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ रही है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

लेकिन यह बात भी सच है कि कोविड-19 वायरस के नए वेरिएंट आने का खतरा बना हुआ है। ऐसी स्थिति में वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज बहुत कारगर साबित हो सकती है। सरकार ने हाल में इसका दायरा बढ़ाया है, जिस पर पिछले रविवार से अमल शुरू हुआ। 18 साल से ऊपर के सभी लोग इसके लिए योग्य हैं, लेकिन अभी तक इस अभियान में तेजी नहीं आई है। इसके दो कारण हैं। पहला, दूसरी डोज के बाद 9 महीने का गैप प्रिकॉशन डोज के लिए अनिवार्य शर्त है। इसे घटाकर 6 महीने किया जाना चाहिए। असल में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो भी शोध हुए हैं, उनसे पता चलता है कि डोज लगने के 6 महीने बाद इम्यूनिटी कमजोर पड़ने लगती है। 9 महीने के गैप के साथ 18-59 साल आयु वर्ग में 2.9 करोड़ लोग बूस्टर डोज के योग्य हैं, जबकि 6 महीने के गैप से यह संख्या बढ़कर 19.2 करोड़ हो जाएगी। दूसरी दिक्कत यह है कि अभी प्रिकॉशन डोज सिर्फ निजी टीका केंद्रों पर लगाए जा रहे हैं। इनकी कीमत भी ज्यादातर भारतीय परिवारों के लिए अधिक है। इसलिए अगर इन्हें सरकारी केंद्रों में मुहैया कराया जाए तो उससे टीकाकरण के इस दौर का दायरा बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसलिए इन दोनों बाधाओं को दूर किया जाए।

विरोध-समर्थन के द्वंद्व में उमझे हम

उमेश चतुर्वेदी

संविधान के अनुसार हिन्दी राजभाषा भले ही है, पर यह राजभाषा शब्द ही उसके विरोध का स्थायी भाव बन गया है। आमजन राष्ट्र और राज-भाषा के विभेद को समझ नहीं पाता। लेकिन राजनीति जैसे ही इस तथ्य को उजागर करने की कोशिश करती है, गैर हिंदीभाषी राज्य और राजनीति इसके खिलाफ खड़ी हो जाती है। लगता है, मानो समूचा गैर हिन्दीभाषी इलाका हिन्दी विरोध में है।

संसदीय राजभाषा समिति में गृहमंत्री अमित शाह के हालिया संबोधन के बाद हिन्दी विरोध में उठने वाली राजनीतिक आवाजों के पीछे भी विरोध का करीब पच्चासी साल पुराना वही डीएनए काम कर रहा है। हिन्दी की बात जब भी होती है, द्रविड़ राजनीति इसके खिलाफ उठ खड़ी होती है। अब इसमें बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों की आवाज भी शामिल होने लगी है।

जमीनी स्तर पर हिन्दी विरोध को लेकर वैसे हालात नहीं हैं, जैसे पिछली सदी के साठ के दशक में थे। तमिलनाडु की वह पीढ़ी अब बुजुर्ग हो चुकी है, जिसने द्रविड़ राजनीति के चक्कर में हिन्दी का हिंसक विरोध किया था। हिन्दी विरोध की राजनीति से उपजी हिचक ही रही है कि सत्ता में आने वाले राजनीतिक दल इसका सवाल पूरी ताकत के साथ उठाने से हिचकते रहे हैं।

इन अर्थों में गृहमंत्री अमित शाह को साहसी माना जाना चाहिए कि उन्होंने खुलकर हिन्दी को अंग्रेजी की जगह राष्ट्र की संपर्क भाषा बनाने की वकालत की है। अमित शाह के मुताबिक, उत्तर पूर्व की आठ भाषाओं ने देवनागरी अपनाने का फैसला लिया है। बोडो, जेमी, किरबुक और अरुणाचल प्रदेश की स्थानीय भाषाओं द्वारा देवनागरी अपनाना मामूली बात नहीं है।

वैसे भारतीय भाषाओं के लिए देवनागरी को अपनाए जाने का विचार आज का नहीं है। विनोबा भावे लगातार इस कोशिश में रहे कि भारतीय भाषाएं देवनागरी लिपि अपना लें। 1972 में विनोबा ने कहा था, 'नागरी लिपि हिंदुस्तान की सब भाषाओं के लिए चले तो हम सब लोग नजदीक आ जाएंगे। खासतौर से दक्षिण की भाषाओं को नागरी लिपि का लाभ होगा।

वहां की चार भाषाएं अत्यंत नजदीक हैं। उनमें संस्कृत शब्दों के अलावा उनके अपने जो प्रांतीय शब्द हैं, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम के बहुत से शब्द समान हैं। वे शब्द यदि नागरी लिपि में आ जाते हैं, तो दक्षिण के लोग चारों भाषाएं पंद्रह दिन में सीख सकते हैं।' गांधी जी ने बेशक हिंदुस्तानी शब्द का प्रयोग किया था, लेकिन वह भी चाहते थे कि देश की संपर्क भाषा हिन्दी ही बने।

वैसे भी दुनिया में भारत ही अकेला देश है, जहां संपर्क भाषा के तौर पर विदेशी अंग्रेजी भाषा है। यहां हमें यह भी याद करना चाहिए कि भारत में अंग्रेजी का इतिहास महज 162 साल का है। मैकाले की योजना के जरिये भारत में विधिवत अंग्रेजी की पढ़ाई 1860 में तब शुरू हो सकी, जब प्रथम स्वाधीनता संग्राम विफल हुआ। लिपि किस तरह संस्कृतियों को करीब लाती है, इसे देखने के लिए हमारे सामने दुनिया की दो लिपियों के उदाहरण हैं।

यूरोप की ज्यादातर भाषाएं रोमन लिपि का इस्तेमाल करती हैं, तो अरब देशों की भाषाएं अरबी लिपि का ही प्रयोग करती हैं। इसका असर यह है कि एक-दूसरे से अलग होने के बावजूद यूरोप के सभी देशों की संस्कृतियां और लोग सहज रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं और कुछ ऐसी ही स्थिति अरब देशों की संस्कृति और नागरिकों की है। विनोबा भावे अनुभव के दम पर कहा करते थे कि भारतीय भाषाओं में समानता है।

सिर्फ लिपियों की वजह से ही उनका परस्पर संबंध टूटा है और न तो भाषाएं एक बन पा रही हैं और न ही देश एक हो पा रहा है। गांधी जी का भी कुछ ऐसा ही विचार था। देश के करोड़ों लोगों के सशक्तीकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा अंग्रेजियत ही है, जिसके असर में नौकरशाही और न्यायपालिका है। संसदीय विधायी कार्य भी इसी अंग्रेजियत के असर में अपनी भाषाओं से दूर हैं।

बिना थोपे ही हिन्दी सिनेमा, टेलीविजन और बाजार के जरिये लगातार आगे बढ़ती गई है। ऐसे में अगर हिन्दी संपर्क भाषा के तौर पर विकसित होती है, तो तय है कि अंग्रेजियत की राह में यह बड़ी बाधा होगी। पर सवाल यह है कि क्या राजनीति इसे स्वीकार करके आम भारतीयों को उनके अधिकार और सम्मान को वापस दिलाने में आगे बढ़ना चाहती है।

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है।

स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत-हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

- मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
- यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।

हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।

हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए। रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत्गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ॐ नम : शिवाय ऊँ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम : ।
ॐ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ॐ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ॐ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ॐ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ॐ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात।।

इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।

साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।

हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत: धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।

शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है। हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् वायु पुत्रो महाबल : ।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम : ॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन : ।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन : ।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढने व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरी होगीं।

54.20 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से 3.2 लाख करोड़ रुपए किए ऑफर

ट्विटर को खरीदने मस्क की पेशकश

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी और इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला तथा स्पेसएक्स के मुखिया एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को खरीदने की इच्छा जाहिर की है। इसके लिए अरबपति मस्क ने ट्विटर को 43 अरब डॉलर यानी 3.2 लाख करोड़ रुपए ऑफर किए हैं। मस्क ने 54.20 डॉलर प्रति शेयर मूल्य पर ट्विटर को खरीदने की पेशकश की है।

बता दें कि हाल ही में टेस्ला के मालिक ने ट्विटर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को ज्वाइन करने से मना कर दिया था। ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल ने यह जानकारी दी थी। इससे ट्विटर और इसके सबसे बड़े शेयरधारक के बीच संबंधों में नई अनिश्चितता के संकेत मिले थे। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क 54.20 डॉलर प्रति शेयर कैश में भुगतान करके ट्विटर को खरीदना चाहते हैं, जो 28 जनवरी की डील की तुलना में 54 फीसदी प्रीमियम है। इससे वैल्यू 43 अरब डॉलर की निकलकर आती है। मस्क के इस

ऑफर के बाद ट्विटर का शेयर 18 फीसदी चढ़ गया है। कंपनी के शेयर 3.10 फीसदी बढ़कर 45.85 डॉलर पर बंद हुए थे। मस्क के अनुसार, सोशल मीडिया कंपनी को प्राइवेट होने की जरूरत है क्योंकि वह अपनी वर्तमान स्थिति में न तो पनप सकती है और न ही सर्व कर सकती है। इसी वजह से मैं ट्विटर की 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने को तैयार है। मेरा ऑफर मेरा बेस्ट और फाइनल ऑफर है और यदि इसे स्वीकार नहीं किया जाता है, तो मुझे एक शेयरधारक के रूप में अपनी पोजिशन पर पुनर्विचार करने की जरूरत होगी। ट्विटर में असाधारण क्षमता है। मैं इसे अनलॉक कर दूंगा। मैंने ट्विटर में निवेश किया क्योंकि मुझे विश्वास है कि इसमें दुनिया भर में फ्री स्पीच का प्लेटफॉर्म बनने की क्षमता है। मेरा मानना ????है कि फ्री स्पीच लोकतंत्र के लिए सामाजिक अनिवार्यता है।

एडिट बटन को लेकर किया था सवाल

इससे पहले मस्क ने ट्विटर के फीचर को लेकर एक ट्वीट किया था। इसमें उन्होंने यूजर्स से पूछा था कि क्या आप एडिट बटन चाहते हैं। एडिट फीचर का मतलब है कि आपने जो भी ट्वीट किया, उसे आप एडिट कर सकेंगे। मान लीजिए आपने कोई ट्वीट किया, लेकिन बाद में उस ट्वीट में कुछ करेक्शन या अपडेट करना चाहते हैं तो नए फीचर से आप ऐसा कर पाएंगे।

रूस से कारोबार समेटेगी इंफोसिस 50000 नई भर्तियों की भी योजना

नई दिल्ली। भारतीय टेक दिग्गज इंफोसिस ने बड़ा ऐलान किया। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अब अपने कारोबार को रूस से बाहर ले जाने की तैयारी कर रही है। रूस के यूक्रेन पर हमले जारी रहने पर यह निर्णय किया गया है। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू होने के बाद कई कंपनियों ने रूस से अपना बोरिया-बिस्तर समेट लिया है या फिर काम-काज को फिलहाल रोक दिया है। इंफोसिस की ओर से कहा गया कि फिलहाल वह रूस के अपने ग्राहकों के साथ कोई कारोबार नहीं कर रही है और न ही आने वाले समय उनके साथ काम करने की कंपनी की कोई योजना है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और एमडी सलिल पारेख ने कहा कि हम जो काम करते हैं वह हमारे कुछ वैश्विक ग्राहकों के लिए है जिनका रूस में संचालन है।

रूस में इंफोसिस के 100 से कम कर्मचारी

रूस में हमारे पास 100 से कम कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा कि हमने पहल की है कि हम उस काम में से कुछ को कैसे बदल सकते हैं और वह सब रूस के बाहर कैसे हो सकता है। इंफोसिस ने 2021-22 में वैश्विक स्तर पर 85000 फ्रेशर्स को नौकरी दी है। इसके अलावा कंपनी की योजना चालू वित्त वर्ष में 50000 और नए लोगों को नौकरी देने की है। हालांकि, इस अवधि में कंपनी छोड़कर जाने वालों की तादाद भी बढ़ी है और यह मार्च तिमाही में 27.7 फीसदी हो गई। ऐसे में कंपनी लगातार नए लोगों की भर्तियां कर रही है।

खनिज उत्पादन में रिकॉर्ड 13.2 फीसदी की वृद्धि

फरवरी में 123.2 अंक रहा उत्पादन सूचकांक

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 11 महीनों अप्रैल-फरवरी के दौरान खनिज उत्पादन में 13.2 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि हुई। यह जानकारी खनन मंत्रालय ने गुरुवार को दी। खान और खनन क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक फरवरी, 2022 में 123.2 अंक रहा। यह फरवरी 2021 की तुलना में 4.5 प्रतिशत अधिक रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय खान ब्यूरो के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-फरवरी वर्ष 2021-22 में वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 13.2 प्रतिशत बढ़ी है। फरवरी 2022 में महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन कोयला 7.95 करोड़ टन, लिग्नाइट 47 लाख टन, प्राकृतिक गैस 251.5 करोड़ घन मीटर, पेट्रोलियम 23 लाख टन, बॉक्साइट 21.20 लाख टन, क्रोमाइट 3.73 लाख टन,

कॉपर सान्द्र 9 हजार टन, सोना 125 किलो, लौह अयस्क 2.27 करोड़ टन, सीसा सान्द्र 29 हजार टन, मैंगनीज अयस्क 2.93 लाख टन, जस्ता सान्द्र 1.43 लाख टन, चूना पत्थर 3.33 करोड़ टन, फास्फोराइट 1.08 लाख टन, मैग्नेसाइट 10 हजार टन और हीरा 48 कैरेट हुआ।महत्वपूर्ण खनिज के उत्पादन में फरवरी 2021 के मुकाबले फरवरी 2022 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गयी। इसमें हीरे में 43.4 प्रतिशत, लिग्नाइट में 24.7 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस में 12.5 प्रतिशत, फॉस्फोराइट में 9.9 प्रतिशत, जिंक सान्द्र में 8.7 प्रतिशत, बॉक्साइट में 8.3 प्रतिशत, कोयले में 6.6 प्रतिशत, लौह अयस्क में 5.9 प्रतिशत और मैग्नेसाइट में 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुयी। अन्य महत्वपूर्ण खनिजों समेत चूना पत्थर में 0.5 प्रतिशत, सोने में 2.1 प्रतिशत, पेट्रोलियम कच्चे में 2.2 प्रतिशत, सीसा सानद्र में 14.0 प्रतिशत, मैंगनीज अयस्क में 17.3 प्रतिशत, तांबा सानद्र में 19.8 प्रतिशत और क्रोमाइट में 33.1 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी।

कोयला उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर

देश का कोयला उत्पादन बीते वित्त वर्ष 2021-22 में 8.5 प्रतिशत बढ़कर 77.72 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। उनका यह बयान कोयले की कमी की खबरों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। खबरों में कहा गया है कि गर्मियों में बिजली की बढ़ती मांग की वजह से कोयले की कमी का संकट पैदा हो गया है। जोशी ने एक बयान में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में देश के कोयला क्षेत्र ने रिकॉर्ड 77.72 करोड़ टन का उत्पादन हासिल किया।

सोनू सूद के साथ एमटीवी रोडीज शुरु

मुंबई। एक नए रोमांचक प्रारूप के साथ, एक शानदार नया होस्ट और दक्षिण अफ्रीका के आश्चर्यजनक स्थान और दिलचस्प चुनौतियों के बीच भारत के सबसे शानदार एवं भव्य एडवेंचर रियलिटी शो पिपपिप मीडिया प्राईवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित एमटीवी रोडीज एक बार फिर से एक रोमांचक खोज शुरू करने के लिए तैयार है। अभूतपूर्व अभिनेता एवं समाजसेवी सोनू सूद द्वारा होस्ट किया गया यह शो इस बार पहली बार पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर दक्षिण अफ्रीका के उबड़-खाबड़ इलाकों में शूट किया गया है। रोडीज का यह सीजन बेहद शानदार एवं पावर पैक है। दक्षिण अफ्रीका में भयानक कार्यों और कैंप फायर हडल्स के साथ बॉन्डिंग सत्रों के बीच आगे बढ़ता हुआ इंफीनिक्स स्मार्टफोन्स एमटीवी रोडीज, कॉइनस्विच, परी सेनेटरी पैड्स, लेवरेज एडु और लेक्मे सन एक्सपर्ट द्वारा संचालित आठ अप्रैल को शाम 7 बजे से केवल एमटीवी और वूट पर ही शुरू होगी। शुक्रवार से रविवार तक सप्ताह में तीन बार प्रसारित होने वाले शो के साथ इस सीजन में दर्शकों का मनोरंजन हो रहा है। वायकॉम 18 में बिजनेस हेड यूथ एंड इंग्लिश क्लस्टर, अंशुल ऐलावाड़ी ने बताया कि एमटीवी रोडीज एक मार्की एडवेंचर रियलिटी शो है, जो हर सीजन के साथ खुद को बेहतर बनाता है। ठीक उसी तरह जैसे एमटीवी हमेशा युवा केंद्रित मनोरंजन में सबसे आगे रहा है। इस नए सीजन में इनोवेशन पर पूरी तरह से जोर दिया जाएगा। सोनू सूद एक होस्ट और लीडर के रूप में प्रतियोगिताओं को सलाह देंगे। शो में कुछ असाधारण चुनौतियों का सामना करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देने के लिए वे प्रतियोगियों को प्रोत्साहित करेंगे। सोनू सूद ने बताया कि मैं एमटीवी रोडीज जैसे शैली परिभाषित शो का हिस्सा बनकर खुश हूं। यह शो बेहद गहरी युवा भावना को प्रदर्शित करता है जो ऊर्जा से भरे हुए हैं तथा हर मुश्किल से निपटने के लिए हर चुनौती का सामना करने की हिम्मत रखते हैं।

महिंद्रा की गाड़ियां हुईं महंगी

लागत खर्च बढ़ने से कंपनी ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने सभी मॉडलों के दाम 2.5 प्रतिशत बढ़ा दिए हैं। यह मूल्यवृद्धि तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

वाहन कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि इस वृद्धि के बाद उसके विभिन्न मॉडलों के एक्स शोरूम दाम 10000 रुपए से 63000 रुपए तक बढ़ जाएंगे। कंपनी ने कहा कि इस्पात, एल्युमीनियम जैसे महत्वपूर्ण जिंसों के दाम बढ़ने की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ा। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि वह जिंस कीमतों में हुई वृद्धि का बड़ा बोझ खुद वहन करने का प्रयास कर रही है और ग्राहकों पर इसका आंशिक प्रभाव पड़ेगा। महिंद्रा एंड

महिंद्रा थार और एक्सयूवी 700 जैसे मॉडल बेचती है। कंपनी ने कहा कि वह अपने बिक्री और डीलर नेटवर्क के जरिए ग्राहकों को कीमतों में वृद्धि के बारे में जानकारी देने का प्रयास कर रही है। इस महीने की शुरुआत में मारुति सुजुकी इंडिया ने भी अपने सभी मॉडल्स के दाम में इजाफा किया था। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया है कि मूल्य वृद्धि कितनी है।

एयर इंडिया से अलग हुई एलायंस एयर

नई दिल्ली। टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने बताया है कि एलायंस एयर अब उसकी सहायक कंपनी नहीं है। एयर इंडिया ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है। एयर इंडिया ने पैसेंजर्स को बताया है कि जिन यात्रियों के पास 9 अंक से शुरू होने वाले चार डिजिट फ्लाइट नंबर के टिकट हैं उनकी बुकिंग एलायंस एयर की है। एयर इंडिया ने ये भी बताया है कि 15 अप्रैल से कंपनी एलायंस एयर से संबंधित बुकिंग और कामकाज को हैंडल नहीं करेगी। बता दें कि बीते साल अक्टूबर माह में टाटा संस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड ने एयर इंडिया का अधिग्रहण करने के लिए बोली जीती थी। टाटा ने 18000 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी। हालांकि, अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया इसी साल जनवरी माह में हुई थी।

आरबीआई बढ़ा सकता है कर्ज पर ब्याज

एसबीआई इकोरैप की रिपोर्ट

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में कर्ज महंगा हो सकता है। होम और कार लोन की ईएमआई भी बढ़ सकती है। एसबीआई की इकोरैप रिपोर्ट से ये संकेत मिल रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक की इकोनॉमी रिसर्च टीम ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक जून में रेपो रेट में कम से कम 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी करेगा। ये सिलसिला अगस्त की बैठक में भी जारी रहने की आशंका है।

मतलब ये कि रेपो रेट में लगातार दो बार बढ़ोतरी हो सकती है। आपको बता दें कि रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट को 4 फीसदी पर स्थिर रखा है। यह लगातार 10वीं बार है जब आरबीआई ने रेपो रेट में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई महंगाई कंट्रोल पर जोर देने के पक्ष में है। खुदरा और थोक महंगाई में बढ़ोतरी हुई है। कोरोना संकट के बाद अब यूक्रेन और रूस के जंग की वजह से कई चीजें प्रभावित हुई हैं। यही वजह है कि महंगाई भी बढ़ी है। पिछली मौद्रिक नीति की बैठक में आरबीआई ने इसको लेकर मंथन भी की थी। आरबीआई के मुताबिक खुदरा मुद्रास्फीति के चालू वित्त वर्ष में 5.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

क्या होगा नुकसान

अगर कर्ज पर ब्याज महंगा होता है तो लोन की ब्याज दरें बढ़ सकती हैं। रेपो रेट के आधार पर ही बैंक लोन की ब्याज दरें भी तय करते हैं। यही वजह है कि रेपो रेट के बढ़ने या घटने की वजह से आम लोगों के होम या कार लोन की ईएमआई भी प्रभावित होती है।

भारत से कारोबार समेट रही सीमेंट कंपनी होल्सिम

नई दिल्ली। वैश्विक सीमेंट कंपनी होल्सिम लिमिटेड भारत से अपना कारोबार समेटने की तैयारी कर रही है। होल्सिम लिमिटेड भारत में अपने कारोबार की बिक्री के लिए कुछ संभावित खरीदारों के नाम पर मंथन कर रही है। संभावित खरीदारों की सूची में अडानी समूह के अलावा जेएसडब्ल्यू भी शामिल है। आपको बता दें कि होल्सिम की भारत की अंबुजा सीमेंट में 63.1 फीसदी हिसेदारी है, जिसकी मार्केट वैल्यू करीब 9.6 अरब डॉलर है। अंबुजा के अलावा एसीसी सीमेंट भी होल्सिम लिमिटेड के अधीन आती है। एसीसी अंबुजा की सब्सिडरी कंपनी है। मार्केट कैपिटल की बात करें तो 41450 करोड़ रुपए है। जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों ने अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों पर एक न्यूट्रल रेटिंग दी है, जिसमें संशोधित टारगेट प्राइस 380 रुपए रखा है।

कपड़े की महंगाई से मिलेगी आमजन को राहत

सरकार ने कॉटन के आयात से सीमा शुल्क हटाया

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने कॉटन पर 30 सितंबर तक सीमा शुल्क हटा दिया है। अभी तक कॉटन के आयात पर 11 फीसदी टैक्स लगता था। इसमें पांच फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5 फीसदी एग्री इंफ्रा डेवलपमेंट सेस भी शामिल है।

इस फैसले से टेक्सटाइल एक्सपोर्ट को भी फायदा पहुंचेगा। कॉटन को सीमा शुल्क से बाहर कर देने से भारत आने वाले कपड़े की कीमतें घट जाएंगी। इससे ग्राहकों को कपड़े की महंगाई से निजात मिलेगी। सरकार के इस फैसले से पूरी टेक्सटाइल चेन यार्न, फैब्रिक, गारमेंट्स और मेड अप्स को फायदा होगा। वित्त मंत्रालय के इस फैसले से कपड़ा उद्योग के साथ उपभोक्ताओं को भी लाभ होगा। गौरतलब है कि कपड़ा उद्योग घरेलू कीमतों में कमी लाने के लिए शुल्क से छूट की मांग कर रहा था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष और सीमा शुल्क बोर्ड ने कपास आयात के लिये सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना विकास उपकर से छूट को अधिसूचित किया है।

कपड़े के मूल्य वर्धित निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

कपास आयात पर सीमा शुल्क की छूट देने के सरकार के फैसले से कपड़े के मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने बृहस्पतिवार को यह कहा। फियो अध्यक्ष ने कहा कि इस कदम से धागा और कपड़े की कीमतों में नरमी आएगी और परिधान तथा कपड़े के अन्य उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा। इससे सूती वस्त्र निर्यात को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि कपास के ऊंचे दाम प्रतिस्पर्धा में बाधक बन रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका और कई अन्य देशों में परिधान निर्यात में भारत ने अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई है और संयुक्त अरब अमीरात तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता होने से इसे और भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र को पूरा समर्थन दिया है और हमें 2030 तक कपड़ा निर्यात बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने के प्रयास करने चाहिए।

कपड़ा क्षेत्र की पीएलआई योजना में 61 फर्मों को मंजूरी

कुल निवेश 19,077 करोड़ रुपए होगा

नई दिल्ली। कपड़ा क्षेत्र में शाही एक्सपोर्ट्स, मदुरा इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल्स, मोंटे कार्लो फैशन्स और अरविंद लिमिटेड समेत 61 आवेदकों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन पीएलआई योजना में मंजूरी मिली है। आधिकारिक बयान में बताया गया, कपड़ा मंत्रालय के सचिव यूपी सिंह की अध्यक्षता में चयन समिति ने पीएलआई योजना के अंतर्गत इस क्षेत्र के 61 आवेदकों को मंजूरी दी है। सरकार ने बीते वर्ष देश में कपड़ा निर्माण क्षमता को बढ़ाने और इसकी निर्यात में वृद्धि करने के लिए पांच साल में 10,683 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ कपड़ा उत्पादों जैसे एमएमएफ परिधान, एमएमएफ कपड़ा और तकनीकी वस्त्र उत्पादों के लिए पीएलआई योजना की मंजूरी दी थी। इस योजना को दो भागों में बांटा गया है। पहले भाग में न्यूनतम निवेश 300 करोड़ रुपए का है और प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए न्यूनतम कारोबार 600 करोड़ रुपए आवश्यक है। दूसरे भाग में न्यूनतम निवेश 100 करोड़ रुपए का है और प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए न्यूनतम कारोबार का 200 करोड़ रुपए होना आवश्यक है। श्री सिंह ने कहा कि स्वीकृत किए गए 61 आवेदनों में आवेदकों का प्रस्तावित कुल निवेश 19,077 करोड़ रुपए है और आगामी पांच वर्षों की अवधि में अनुमानित कारोबार 1,84,917 करोड़ रुपये है।कपड़ा क्षेत्र में नए निवेश से सीधे तौर पर 2,40,134 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

इन फर्मों को मिली मंजूरी

पीएलआई योजना के भाग एक के तहत एवगोल इंडिया, क्यूबेटिक्स इंडस्ट्रीज, गोवा ग्लास फाइबर, एचपी कॉटन टेक्सटाइल मिल्स, हिम्मतसिंग्का सीड और किम्बर्ली क्लार्क इंडिया को स्वीकृति दी गयी है। इसके अलावा पैरागॉन अपैरल, प्रतिभा सिंटेक्स, शाही एक्सपोर्ट्स, श्री दुर्गा सिंटेक्स और ट्राइडेंट लिमिटेड भी कपड़ा क्षेत्र की पीएलआई योजना भाग एक के तहत हैं। योजना के भाग दो के तहत जिन फर्मों को मंजूरी मिली है उनमें एवाईएम सिंटेक्स, केनिगटन इंडस्ट्रीज, एमआई इंडस्ट्रीज इंडिया, सिल्कॉन सिंथेटिक्स एंड कॉटन डाइंग प्राइवेट लिमिटेड, यंगमैन वूलन मिल्स और ऑटोलिव इंडिया शामिल हैं।

टाटा पावर को मिला विदेशी निवेश

अमेरिकन कंपनी ब्लैकरॉक 4000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा

नई दिल्ली अमेरिका स्थित ब्लैकरॉक रियल एसेट्स के नेतृत्व वाला एक कंसोर्टियम टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी में 4000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इस निवेश के जरिए 10 फीसदी से अधिक इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की जाएगी। टाटा पावर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

टाटा पावर रिन्यूएबल, टाटा पावर की अनुषंगी कंपनी है। टाटा पावर ने कहा कि अबूधाबी स्थित निवेश कंपनी मुबाडाला इन्वेस्टमेंट कंपनी भी कंसोर्टियम का हिस्सा है। बयान के मुताबिक, टाटा पावर और मुबाडाला सहित ब्लैकरॉक रियल एसेट्स के नेतृत्व वाले गठजोड़ ने टाटा पावर की अनुषंगी इकाई टाटा पावर रिन्यूएबल्स में निवेश करने के लिए एक पक्का समझौता किया है। बयान में आगे कहा गया, मुबाडाला के साथ ब्लैकरॉक रियल एसेट्स, टाटा पावर रिन्यूएबल्स में 10.53 फीसदी हिस्सेदारी के लिए इक्विटी अनिवार्य परिवर्तनीय साधनों के जरिये 4000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जिसका मूल इक्विटी मूल्यांकन 34000 करोड़ रुपए होगा। पूंजी निवेश का पहला दौर जून 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है। शेष राशि चालू कैलेंडर वर्ष के अंत तक निवेश की जाएगी।

विस्तार योजनाओं को मिलेगा वित्तपोषण

प्रस्तावित निवेश से टाटा पावर रिन्यूएबल्स की ग्रोथ योजनाओं को वित्तपोषण मिलने की उम्मीद है। टाटा पावर ने कहा कि टाटा पावर रिन्यूएबल्स का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 20 गीगावॉट से अधिक की क्षमता हासिल करने का है।

फ्यूचर रिटेल के खिलाफ एनसीएलटी में बीओआई

दिवाला याचिका दायर की

नई दिल्ली। बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज में डूबी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड, एफआरएल के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण एनसीएलटी में एक याचिका दायर की है। याचिका में एफआरएल के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने की अपील की गई है।

इस महीने की शुरुआत में एफआरएल ने बताया था कि वह अपने ऋणदाताओं को समय पर 5322.32 करोड़ रुपए अदा नहीं कर सकी। कंपनी ने बताया कि ऐसा अमेजन के साथ चल रहे मुकदमों और अन्य संबंधित मुद्दों के कारण हुआ। एफआरएल ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया बीओआई ने कंपनी के साथ किए गए समझौते के संदर्भ में देय धनराशि का भुगतान न करने पर कंपनी के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता, 2016 की धारा सात के तहत एक याचिका दाखिल करने की अग्रिम सूचना दी है। फ्यूचर समूह की फर्म ने कहा कि उसे याचिका की एक प्रति मिली है और वह कानूनी सलाह ले रही है। एफआरएल को कर्ज देने वाले समूह के प्रमुख बैंक बीओआई ने पिछले महीने अखबार में एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर एफआरएल की संपत्ति पर अपना दावा किया था। बीओआई ने फ्यूचर समूह की संपत्तियों के लेनदेन के प्रति जनता को सचेत भी किया था। एफआरएल सहित फ्यूचर समूह की कई कंपनियों ने छह अगस्त, 2020 के रिजर्व बैंक के परिपत्र के संदर्भ में अपने ऋणदाताओं के साथ एक समझौता किया था। इसमें कोविड महामारी से संबंधित परेशानियों के मद्देनजर एक समाधान ढांचे की घोषणा की गई थी।

मंडी बंद होने से दलहन व्यापार सुस्त

इंदौर। गुरुवार को महावीर जयंती, आम्बेडकर जयंती के मौके पर इंदौर सहित अंचल की सभी मंडियां बंद थी। इसका असर अनाज व दाल-दलहन कारोबार पर भी दिखाई दिया। मंडी प्रांगण बाहर सीमित मात्रा में निजी व्यापार में दाम स्थिर थे। मंडी बाहर डॉलर चना 8700-9200, हल्का 8000-8500, निर्यात सौदो में 44-46 काउंट 10000, 42-44 काउंट 10100, 58-60 काउंट 9150-9200, चनाकांटा 5050-5070, विशाल 4700-4800, मसूर 6750, उड़द 7000-7100, एवरेज 5700-6800, मूंग 7000-7200, एवरेज 6400-6600, तुवर 5800-6100, महाराष्ट 6300-6400, कर्नाटक 6500-6600 रुपए रहा।

दाल-चावल के भाव

दालें-चना दाल 6150-6650, तुवर दाल 8200-8800, नई 9100-9800, मसूर दाल 8000-8300, मूंग दाल 8900-9200, मोगर 9300-9600, उडद दाल 8500-8800, मोगर 9700-10100 रु। **चावल-** दयालदास अजित कुमार- बासमती (921)10000-11000, तिबार 8000-8500, दुबार 7000-7500, मिनी 6500-7000, मोगरा 3500-6000, सैला 6500-9000, कालीमूंछ डिनरकिंग 7500, राजभोग 6500, दूबराज 3500-4000, परमल 2500-2650 हंसा सैला 2450-2650 हंसा सफेद 2350-2450 रु था।

देश में सिर्फ 81 दिन का कॉटन स्टॉक बकाया

इंदौर। कॉटन एसोसिएशन ऑफइंडिया (सीएआई) के अनुसार देश की मिलों के पास मार्च अंत में करीब 75 लाख गांठ कॉटन स्टॉक था, जो औसतन मिल खपत का करीब 81 दिन का है। उधर कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) महाराष्ट्र फैडरेशन, एमएनसी, जिनर्स, व्यापारी और एमसीएक्स के पास मार्च अंत में कॉटन का करीब 58.68 लाख गांठ का स्टॉक था। ऐसे में सीजन के अंत में 30 सितंबर 22 को कॉटन का बकाया स्टॉक 40.13 लाख गांठ का बचेगा। चालू फसल सीजन 2021-22 के दौरान अक्टूबर से मार्च तक देश में 262.68 लाख गांठ कॉटन आवक हुई है, जोकि कुल उत्पादन अनुमान का 80 फीसदी है। अत: उत्पादक राज्यों में अब केवल 20 फीसदी कपास ही आना है, जबकि नई फसल की आवक सितंबर में होगी। प्रतिकूल मौसम, पिंक बालवर्म रोग से कपास की फसल प्रभावित हुई है, जिससे उत्पादन अनुमान में उद्योग ने एक बार फिर कटौती कर दी। उद्योग का नया अनुमान 335.13 लाख गांठ का है, जो पहले 343.13 लाख गांठ था। सीएआई के अनुसार कॉटन के दूसरे आरंभिक अनुमान में और 8 लाख गांठ की कमी आने की आशंका है। उद्योग के अनुसार चालू फसल सीजन में कॉटन की खपत करीब 340 लाख गांठ होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल 335 लाख गांठ की खपत हुई थी। मार्च अंत तक 175 लाख गांठ की खपत हो चुकी है। इस सीजन में कॉटन आयात बढ़कर 15 लाख गांठ का अनुमान है।

चावल के सरकारी स्टॉक में बढ़ोतरी

इंदौर। अप्रैल माह की शुरुआत में केंद्रीय पूल के तहत चावल के सरकारी स्टॉक में बढ़त देखी गई। पहली अप्रैल को चावल के स्टॉक 323.22 लाख टन था, जो ठीक एक साल पहले 291.18 लाख टन से ज्यादा था। स्थानीय मंडी महावीर जयंती पर बंद थी। मंडी बाहर निजी सौदो में गेहूं आवक करीब 2000 बोरी हुई। गेहूं मिल 2100-2125, मालवराज 2125 -2150 पूर्णा 2300-2350, लोकवन 2350-2400, शरबती 3300-3600 रु था। मक्का 2300-2350, डिलीवरी सौदो में घाटा बिल्लोद 2350, बदनावर 2550, मंदसौर 2500 रु थी।

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

मुंबई (एजेंसी)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) आईपीएल में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में एक बार फिर जीत के साथ ही अपनी लय हासिल करना चाहेगी। आरसीबी को लगातार तीन मैचों में जीत के बाद अपने पिछले मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में आरसीबी की ओर से युवा खिलाड़ी हर्षल पटेल भी खेलेंगे जिससे टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। हर्षल अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी के साथ ही डेथ ओवरों में विरोधी टीम पर अंकुश लगा देते हैं।

आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भी सीएसके के खिलाफ मैच में हार के बाद माना कि हर्षल अगर टीम में होते तो परिणाम कुछ और होता। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल के पिछले सत्र में 32 विकेट लिए थे और अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी से वह टी20 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक के रूप में उभरकर सामने आये। इस साल हर्षल ने चार मैचों में 5.50 के इकोनोमी रेट से रन दिये हैं और इसके साथ ही उन्होंने छह विकेट भी लिये हैं।

टीम को जब भी जरुरत हुई हर्षल ने विकेट निकालकर टीम की संभावनाएं बनाए रखीं जबकि मोहम्मद सिराज और आकाशदीप के अलावा वानिंदु हसरंगा जैसे गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी में डुप्लेसी और युवा अनुज रावत ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी हैं। जबकि दिनेश कार्तिक 'फिनिशर% की अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। इसके अलावा शाहबाज अहमद और सुयश प्रभुदेसाई ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है।

वहीं बल्लेबाजी में टीम के पास कप्तान विराट कोहली के अलावा डुप्लेसी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के लिए हालांकि विराट का खराब फार्म चिन्ता का कारण है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स इस मैच में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। उसके सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के अलावा अलावा अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर भी अच्छे पफार्म में हैं। टीम की परेशानी केवल तीसरे नंबर पर है जहां उसके पास अभी तक कोई भी अच्छा बल्लेबाज नहीं है। इस अहम मैच में कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। दिल्ली को रोवमैन पॉवेल से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इसके अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव का सामना करना आरसीबी के लिए आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज खलील अहमद और अनुभवी एनरिक नोर्किया भी आरसीबी की परेशानी बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा टीम में अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर और ललित यादव जैसे अच्छे ऑलराउंडर भी हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमें बेहद संतुलित हैं, ऐसे में यह मुकाबला रोमांचक होना तय है।

फागरनेस इंटरनेशनल शतरंज - अर्जुन एरिगासी समेत 4 भारतीय सयुंक्त बढ़त पर

फागरनेस, नॉर्वे (एजेंसी)।

फागरनेस इंटरनेशनल शतरंज 2022 में इस समय 71 ग्रांड मास्टर समेत दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच जोरदार मुकाबले देखने को मिल रहे है पर खासतौर पर भारत के शीर्ष 15 के कई खिलाड़ी अभी अपनी रेटिंग को बढ़ाकर आगामी शतरंज ओलंपियाड में अपनी जगह बनाने में लगे हुए है। प्रतियोगिता में अब तक छह राउंड खेले जा चुके है और फिलहाल टॉप सीड भारत के अर्जुन एरिगासी, निहाल सरीन, कृष्णन शशिकिरण और आर्यन चोपड़ा 4.5 अंक बनाकर 7 अन्य खिलाड़ियों के साथ सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है। छठे राउंड में पहले बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी ने नॉर्वे के ओलसन उरकेडल से बाजी ड्रॉ खेली जबकि पांचवें बोर्ड पर कृष्णन शशिकिरण ने नॉर्वे के फ्रेडरिक कासेन को ,छठे बोर्ड पर निहाल सरीन ने कजाकिस्तान की अब्दुमालिक ज़हंसाया को तो सातवें बोर्ड पर आर्यन चोपड़ा ने नॉर्वे के अब्दुलरौफ एलहम को पराजित करते हुए सयुंक्त बढ़त में जगह बनाई वही आठवे बोर्ड पर एसपी सेथुरमन ने नॉर्वे के आन्द्रेस होबर को पराजित करते हुए 4 अंक बना लिए है । फिलहाल भारत के अर्जुन एरिगासी 2678 रेटिंग के साथ लगभग भारत की ए टीम के लिए जगह बना चुके है जबकि निहाल और शशिकिरण को आनंद के नहीं खेलने की स्थिति में मौका मिल सकता है और फिलहाल निहाल इस दौड़ में 2 अंको से आगे चल रहे है । 9 राउंड के इस टूर्नामेंट का अंतिम राउंड 17 अप्रैल को खेला जाएगा।

आईपीएल 2022 में भी कोरोना की एंट्री, दिल्ली कैपिटल्स के फिजियो पैट्रिक फरहार्ट संक्रमित

पुणे। (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में भी कोरोना वायरस की एंट्री हो गई है। दिल्ली कैपिटल्स के फिजियो पैट्रिक फरहार्ट कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आये हैं। इस बात की जानकारी आईपीएल की ओर से भेजी गई प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। फिलहाल दिल्ली कैपिटल्स की मेडिकल टीम उन्हें मॉनिटर कर रही है। आईपीएल 2019 के बाद पहला ऐसा मौका है जब भारत में इसका आयोजन हो रहा है। 2020 का आईपीएल यूएई में करवाया गया था जबकि 2021 के कुछ मुकाबले भारत में हुए थे और कुछ यूएई में हुए थे। 2021 में ही कई खिलाड़ियों को कोरोना वायरस हुआ था जिसके बाद आईपीएल को बीच में ही रोकना पड़ा था। तब भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर चरम पर थी।

इस बार का आईपीएल मुंबई और पुणे में खेला जा रहा है ताकि खिलाड़ियों को एक शहर से दूसरे जगह नहीं ले जाना पड़े। खिलाड़ियों को बायो बबल में भी रखा जा रहा है। बावजूद इसके दिल्ली कैपिटल्स में यह कोरोनावायरस का मामला सामने आया है। हालांकि अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दिल्ली कैपिटल 16 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ अपना मैच खेलेगी? खबर यह भी है कि आरसीबी के खिलाफ मैच को पोस्टपोन किया जा सकता है। लेकिन फिलहाल अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

क्या आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में ही होगा एशिया कप ? जय शाह बोले- मैं स्थिति का आकलन करूंगा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

एशिया कप 2022 की मेजबानी श्रीलंका के पास है, लेकिन अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहे श्रीलंका के हाथों से मेजबानी करने का मौका निकल सकता है। क्योंकि श्रीलंका की आर्थिक स्थिति इन दिनों काफी खराब है, महंगाई ने हाहाकार मचाया हुआ है। कोलंबो समेत कई बड़े शहरों में स्थानीय लोगों का गुस्सा सड़कों पर दिखाई दे रहा है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एशिया कप को लेकर अभी कोई भी फैसला नहीं लिया है।

स्थिति का आकलन करेंगे जय शाह

इसी बीच भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि वो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल मुकाबले में श्रीलंका क्रिकेट के पदाधिकारियों की मेजबानी करेंगे। समाचार एजेंसी के मुताबिक, श्रीलंका में एशिया कप से जुड़े सवाल पर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि मैं 29 मई को आईपीएल फाइनल में श्रीलंका क्रिकेट के पदाधिकारियों की मेजबानी करूंगा और स्थिति का आकलन करूंगा।

आपको बता दें कि एशिया कप 2022 की मेजबानी श्रीलंका को करनी है लेकिन अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहे श्रीलंका पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। एशिया कप की शुरुआत 27 अगस्त से होनी है और इसका फाइनल मुकाबला 11 सितंबर को खेला जाएगा। इसके तुरंत बाद ही टी20 विश्व कप खेला जाएगा।

हार्दिक की कप्तानी से मिल रही टीम को सफलता : राशिद

मुंबई। गुजरात टाइटन्स की टीम के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जिससे अन्य खिलाड़ी भी प्रेरित हो रहे हैं। राशिद के अनुसार हार्दिक ने टीम का माहौल भी अच्छा बनाया है। इसी कारण टीम ने अबतक अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात ने अबतक पांच मैचों में चार जीत दर्ज की है और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। हार्दिक रन बनाने के मामले में अभी दूसरे स्थान पर हैं और इसके साथ ही वह अच्छी गेंदबाजी भी कर रहे हैं। राशिद ने कहा, 'जिस तरह से वह (हार्दिक) टीम की अगुवाई कर रहा है जिस तरह से उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर टीम माहौल तैयार किया है उसका भी टीम को लाभ मिला है।' इस स्पिनर ने कहा कि हार्दिक समय पर साहसिक फैसले करने से नहीं डरते हैं। उन्होंने कहा, 'वह ऐसे कप्तान हैं जो हमेशा साहसिक फैसले करते हैं। हमेशा उन्हें भरोसा होता है तथा क्या करना है इसको लेकर उनकी राय स्पष्ट है।' राशिद ने कहा, 'एक कप्तान के लिये यह अहम होता है। जब आपकी मनस्थिति साफ हो तो आप सही फैसले करते हो, परिणाम स्वयं ही आपके अनुकूल रहता है।' राशिद ने कहा कि सही समय पर सही फैसले करने के कारण हार्दिक एक अच्छा कप्तान साबित हो रहा है।

बार्सिलोना यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में हारी

वाशिंगटन। स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना अब यूरोपा लीग से भी बाहर हो गयी है। स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी के क्लब छोड़ने के बाद से ही बार्सिलोना का खराब दौर शुरु हो गया था जो समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा। चैंपियन्स लीग से बाहर होने के बाद बार्सिलोना दूसरी श्रेणी के यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में ही हार गया। उसे जर्मनी के फ्रैंकफर्ट क्लब ने 3-2 से हराकर 4-3 के कुल योग के साथ ही यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बनायी। इस बार बार्सिलोना को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर इस हार के कारण उसका दूसरे स्तर के क्लब टूर्नामेंट को जीतने का सपना भी टूट गया। वहीं फ्रैंकफर्ट अब सेमीफाइनल में वेस्ट हैम से खेलेगा। प्रीमियर लीग के इस क्लब ने लियोन को कुल 4-1 के स्कोर से हराकर साल 1976 के बाद पहली बार किसी यूरोपीय प्रतियोगिता के अंतिम चार में प्रवेश किया है। इससे पहले क्रिस्टोफर एनकुंकु के दो गोलों से लिपजिग ने अटलांटा को 2-0 से हराकर पहली बार यूरोपीय प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला रेंजर्स से होगा।

जो रूट ने इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी, परिवार से पूछकर लिया फैसला

लंदन। एशेज सहित पिछली कुछ श्रृंखलाओं में हार से आहत जो रूट ने शुक्रवार को इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट कप्तान पद से त्यागपत्र दे दिया, जिससे उनके पांच साल के चुनौतियों से भरे कार्यकाल का भी अंत हो गया। रूट ने कहा, ''मुझे अपने देश की अगुवाई करना पसंद है लेकिन हाल में मुझे अहसास हुआ कि इससे मुझ पर कितना गहरा असर पड़ रहा है।'' इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के रूप में 31 वर्षीय रूट के नाम पर सर्वाधिक मैचों में जीत का रिकार्ड है। उनकी अगुवाई में इंग्लैंड ने 27 मैच जीते हैं जो माइकल वान से एक अधिक तथा एलिस्टेयर कुक और एंड्रयू स्ट्रास से तीन अधिक है। एक बल्लेबाज के रूप में रूट की टीम की जगह सुनिश्चित है क्योंकि 2021 के बाद से उन्होंने आठ शतक जमाये हैं और वह दुनिया में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। लेकिन पिछले 17 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड केवल एक मैच में जीत दर्ज कर पाया है जो 1980 के बाद टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे रूट की कप्तानी पर सवाल भी उठने लगे थे। आस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला में 0-4 से करारी शिकस्त झेलने के बाद इंग्लैंड पिछले महीने वेस्टइंडीज से टेस्ट श्रृंखला में 0-1 से हार गया था। यह उसकी टेस्ट श्रृंखलाओं में लगातार चौथी हार है।

पाकिस्तान का दौरान करेंगी न्यूजीलैंड और इंग्लैंड

पीसीबी ने जारी किया कार्यक्रम

लाहौर (एजेंसी)।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम नवंबर 2022 और अगले साल जनवरी के बीच पाकिस्तान का दौरा करेगी। इन दोनो ही टीमों ने पिछले सत्र में अंतिम समय पर अपने दौरे रद्द कर दिये थे जिसकी पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़ी आलोचना की थी। हाल में ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के अपना पाक दौरा पूरा किया था। उसी को देखते हुए अब इंग्लैंड और न्यूजीलैंड भी पाक दौरे के लिए तैयार हो गये हैं। इन दोनो देशों के दौरों को देखते हुए पीसीबी उत्साहित है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से शुक्रवार को जारी कार्यक्रम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें के दौरे भी शामिल हैं। पीसीबी के कार्यक्रम के

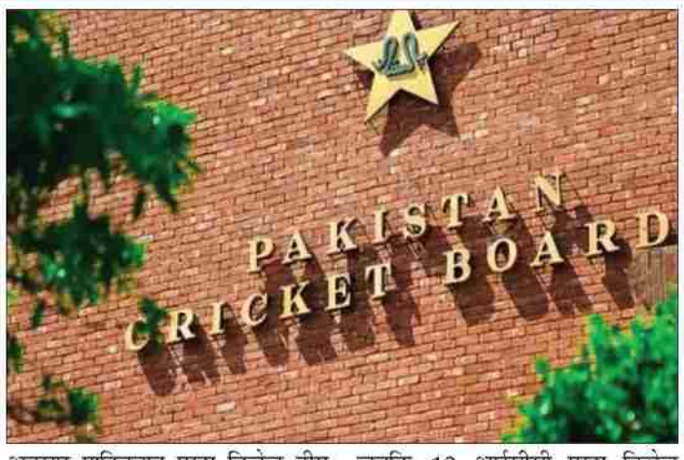

अनुसार पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम 2022-23 के घरेलू सत्र में सात आईसीसी विश्व चैंपियनशिप टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें दो श्रीलंका, तीन इंग्लैंड और दो न्यूजीलैंड के खिलाफ होंगे जबकि 12 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग मैच भी होंगे।

इसमें पाक टीम वेस्टइंडीज, श्रीलंका, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड सभी टीमों के साथ तीन-तीन मैच खेलेगी। पाकिस्तान के घरेलू सत्र की शुरुआत पांच से 12 जून के बीच रावलपिंडी में वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से होगी। नवंबर में तीन टेस्ट मैचों से पहले इंग्लैंड की टीम सितंबर-अक्टूबर में सात मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए भी पाकिस्तान का दौरा करेगी। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम दिसंबर-जनवरी में दो टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैचों के बाद पांच एकदिवसीय और पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अप्रैल में पाक दौरे पर पहुंचेगी।

टी-20 प्रारूप में पाकिस्तान पुरुष टीम अगस्त-सितंबर में श्रीलंका में टी-20 एशिया कप और फिर बाद में 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में 2022 आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2022 खेलेगी।

हॉकी इंडिया ने विश्व कप के लोगो का वीडियो साझा किया

भुवनेश्वर। हॉकी इंडिया ने पुरुष एफआईएच हॉकी विश्व कप 2023 का लोगो जारी कर दिया है। हॉकी इंडिया ने अपने ट्विटर हैंडल पर विश्व कप के आधिकारिक लोगो का एक वीडियो भी साझा किया है। इस बेहद आकर्षक लोगो में ट्रॉफी के ऊपर हॉकी स्टिक और गेंद नजर आ रही है। हॉकी इंडिया भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम और राउरकेला में बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 13 से 29 जनवरी 2023 तक विश्व कप की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में भारत सहित 16 टीमें भाग लेंगी, जिसमें नीदरलैंड, बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, वेल्स, दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, चिली, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर धम्मिका भूख हड़ताल पर बैठे

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर धम्मिका प्रसाद भूख हड़ताल पर बैठ गये हैं। धमिका ने यह भूख हड़ताल देश को वर्तमान आर्थिक संकट से निकालने और ईस्टर के दिन हुए आतंकी हमले के शिकार लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए शुरु किया है। धम्मिका ने कहा कि साल 2019 में ईस्टर के दिन हुए बम धमाकों के शिकार लोगों को अब तक न्याय नहीं मिला है। इसी लिए वह राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे का विरोध कर रहे गुट के साथ शामिल हो गए हैं। प्रसाद ने कहा, 'मैं बम धमाकों के शिकार सभी निर्दोषों के लिए न्याय चाहता हूं।' इस क्रिकेटर ने साल 2006 से 2015 तक देश के लिये 25 टेस्ट और 24 एकदिवसीय में 75 और 32 विकेट लिए थे।

वाटसन ने विराट को सर्वश्रेष्ट टेस्ट बल्लेबाज बताया, आजम को मिला दूसरा स्थान

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज करार दिया है। वाटसन ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन , इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रुट और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम जैसे खिलाड़ियों से विराट को बेहतर बताया है जबकि विराट ने पिछले दो साल से एक भी शतक नहीं लगाया है। महिला क्रिकेटर इशा गुहा ने जब वाटसन से पूछा कि उनके विचार में विश्व का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज कौन है तो उन्होंने कहा, ''टेस्ट मैच क्रिकेट में मैं हमेशा से ही विराट को नंबर एक स्थान पर मानता हूं।'' वाटसन ने कहा, ''वह एक सुपरह्यूमन की तरह है क्योंकि वह अब तक जो कुछ भी हासिल कर पाया है , वह उसे अपने जुनून के कारण ही मिला है।'' कोहली हाल में खराब प्रदर्शन के कारण आईसीसी रैंकिंग में 10वें स्थान पर फिसल गए हैं पर टेस्ट क्रिकेट में इस बल्लेबाज का रिकॉर्ड शानदार रहा है।

विराट ने 27 टेस्ट शतक और 28 अर्धशतक लगाये हैं। इसमें उनका टेस्ट बल्लेबाजी औसत 50 से कुछ ही कम है। वहीं आईसीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि विश्व के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन हैं। लाबुशेन ने 26 टेस्ट में 54.31 की औसत से रन बनाए हैं पर न्यूनतम 40 टेस्ट खेलने की पात्रता के कारण उन्हें शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया। आजम को वाटसन ने दूसरे नंबर पर रखा है। वाटसन ने कहा कि आजम शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''उसने जिस तरह अपने खेल से तालमेल बैठाया है और टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है वह देखने लायक है। वाटसन की सूची में स्मिथ को तीसरा स्थान मिला है। उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि स्मिथ ने क्रीज पर अधिक समय बिताने के बारे में सोचना शुरू कर दिया है और वह गेंदबाजों पर उतना दबाव नहीं डाल रहा जितना वह उस समय डालता था जब वह अपने खेल के शीर्ष पर था। मेरे लिए स्मिथ इस सूची में थोड़ा नीचे आया है।''

टी20 प्रारुप में टीम इंडिया की ओर से वापसी करेंगे उमेश : साउदी

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी का मानना है कि उनके साथी खिलाड़ी उमेश यादव एक बार फिर अंतराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट के लिए टीम इंडिया में वापसी करेंगे। उमेश ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 3 साल से भी अधिक समय पहले खेला था। न्यूजीलैंड के साउथी ने कहा, 'मैं उमेश का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। वह बेहतरीन गेंदबाज है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे कुछ मौकों पर उसके साथ नई गेंद साझा करने का मौका मिला, जब हम दोनों रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते थे।' उन्होंने कहा कि जिस तरह उसका उपयोग किया जा रहा है, वह उमेश की गेंदबाजी शैली के अनुकूल है। अगर वह इसी प्रकार का प्रदर्शन जारी रखता है, तो मुझे कोई कारण नजर नहीं आता कि वह टीम इंडिया के लिए टी20 क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन न कर पाये। 34 साल के उमेश ने आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक 5 मैच में 10 विकेट लिए हैं और इस दौरान 6.60 की इकॉनॉमी रेट से रन दिए हैं। उमेश ने पावरप्ले में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा है। केकेआर ने उन्हें नीलामी में 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। साउथी ने उमेश के शानदार प्रदर्शन का श्रेय नाइट राइडर्स के थिंक टैंक को दिया जबकि पिछले सत्र में उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था।

लगता है कि मुझे राष्ट्रमंडल खेल और एशियाड से बाहर रखकर बैडमिंटन संघ खुश है : साइना नेहवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दो बार राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता रही साइना नेहवाल ने चयन ट्रायल की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए उन्हें दोनों से बाहर करने के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ की आलोचना की। बीएआई ने दो अप्रैल को चयन ट्रायल रखा था जिसमें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल और हांगझोउ एशियाई खेलों के साथ बैंकाक में आठ से 15 मई तक होने वाले थॉमस कप और उबेर कप की टीम का भी चयन किया गया। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना ने कहा कि उन्होंने बीएआई को इंदिरा गांधी स्टेडियम पर हुए ट्रायल से बाहर रहने की सूचना दे दी थी लेकिन इसके यह मायने नहीं है कि वह इन टूर्नामेंटों में भाग नहीं लेना चाहती थी। उन्होंने ट्वीट किया कि ऐसी खबरें पढकर हैरान हूं कि मैं राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में भाग नहीं लेना चाहती थी। मैं यूरोप में तीन सप्ताह खेलकर लौटी हूं और इसी वजह से ट्रायल में भाग नहीं लिया। एक सीनियर खिलाड़ी होने के नाते लगातार खेलना संभव नहीं है। इससे चोट लगने का डर है और इतने कम समय पूर्व दी गई सूचना पर तो बिल्कुल नहीं।

उन्होंने कहा कि मैंने बीएआई को इसकी इत्तिला दे दी थी लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया। लगता है कि इन दोनों टूर्नामेंटों से मुझे बाहर रखकर वे खुश हैं। बीएआई ने बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष 15 में शामिल खिलाड़ियों को ट्रायल से छूट दी थी लेकिन विश्व रैंकिंग में 16 से 50वें स्थान पर काबिज खिलाड़ियों को ट्रायल में भाग लेना था।

ईश्वरप्पा का इस्तीफा सरकार के लिए झटका नहीं, सच सामने आएगा : बोम्मई

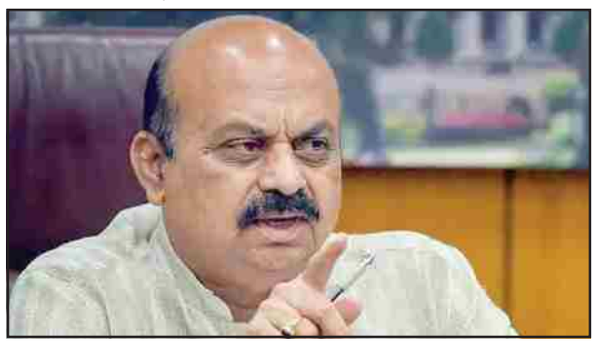

हुबली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज (आरडीपीआर) मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा के इस्तीफे को सरकार के लिए झटका नहीं माना जा सकता है।

ईश्वरप्पा के खिलाफ पुलिस ने ठेकेदार संतोष पाटिल को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

बोम्मई ने कहा कि जांच के बाद सच सामने आएगा। उन्होंने ईश्वरप्पा की गिरफ्तारी की मांग कर रहे विपक्षी दल कांग्रेस से कहा कि वह खुद ही जांचकर्ता, अभियोजक और न्यायाधीश ना बनें।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने (ईश्वरप्पा ने) फैसला किया है। वह आज शाम को इस्तीफा दे देंगे। मैंने उनसे कल बात की थी, वह अपने रुख को लेकर स्पष्ट हैं, वह स्वेच्छा से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने जल्द से जल्द जांच कराने की मांग की है और उन्हें खुद के निर्दोष साबित होने का भरोसा है।

ईश्वरप्पा के खिलाफ कोई साजिश रचे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह जांच में सामने आएगा। उन्होंने कहा, सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जाएगी, सच सामने आएगा।

उडुपी में एक ठेकेदार को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों से घिरे कर्नाटक के मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने कई दिनों के ना-नुकुर के बाद बृहस्पतिवार को अपने पद से हटने की घोषणा कर दी।

विपक्षी दलों की ईश्वरप्पा की गिरफ्तारी की मांग के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पुलिस को जांच करने दिया जाए।

उन्होंने कहा, क्या के.जे. जॉर्ज को कांग्रेस सरकार ने गिरफ्तार किया था? केंद्र में राजग सरकार होने के बावजूद न तो कर्नाटक पुलिस और न ही सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार किया था। पुलिस यह फैसला करेगी कि ईश्वरप्पा को गिरफ्तार किए जाने की जरूरत है या नहीं।

एक पुलिस अधिकारी ने आत्महत्या करने से पहले राज्य में कांग्रेस शासन के दौरान मंत्री रहे जॉर्ज पर कई आरोप लगाए थे।

बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को खुद जांचकर्ता, अभियोजक और न्यायाधीश नहीं बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस को निष्पक्ष जांच करने दें, सच्चाई सामने आएगी।

मंत्री के खिलाफ ठेकेदार संतोष के पाटिल की संदिग्ध आत्महत्या के सिलसिले में बुधवार को मामला दर्ज किया गया था। पाटिल उडुपी के एक होटल में मंगलवार को मृत मिले थे।

ठेकेदार ने मंत्री एवं उनके करीबियों पर 2021 में बेलगावी के हिंदलगा गांव में एक उत्सव से पूर्व निर्माण कार्य पूरा करने के बाद इसके बिल को मंजूर कर राशि जारी करने के लिए 40 फीसदी कमीशन मांगने का आरोप लगाया था।

कर्नाटक में ठेकेदार संतोष पाटिल की खुदकुशी के मामले में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा शुक्रवार शाम तक इस्तीफा दे देंगे। इसकी घोषणा खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को की। ईश्वरप्पा के इस्तीफे की घोषणा पर कांग्रेस ने संदेह जताया और कहा कि वो अपना विरोध जारी रखेंगे। बोम्मई ने कहा कि ईश्वरप्पा ने उनसे बात की है। इस दौरान उनके इस्तीफे पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया, ईश्वरप्पा ने इस्तीफा देने का फैसला किया। उन्हें भरोसा है कि वो इस मामले में सभी आरोपों से बरी हो जाएंगे। जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी।

उन्होंने कहा, पुलिस मामले के सभी पहलुओं पर निष्पक्ष जांच करेगी। इसलिए कांग्रेस नेताओं को मामले में जांच अधिकारी, न्यायाधीश और अभियोजक बनने की कोई आवश्यकता नहीं है। खुली जांच होगी और सच्चाई सामने आएगी।

क्या यह प्रकरण कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए झटका है, इस सवाल का जवाब देते हुए कि उन्होंने कहा कि जांच में पता चलेगा कि किसका झटका लगेगा। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि ईश्वरप्पा को क्लीन चिट मिलेगी. यह झटके या फायदे का सवाल नहीं है।

इस बीच, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा, अब भी इस बात पर संदेह है कि ईश्वरप्पा इस्तीफा देंगे। वह बहुत झूठ बोलते हैं।

उन्होंने मांग की, कि ईश्वरप्पा के खिलाफ प्राथमिकी में भ्रष्टाचार के आरोप जोड़े जाने चाहिए।

आपको बता दें कि संतोष पाटिल उडुपी के एक लॉज में मृत मिले थे। इससे कुछ देर पहले ही उन्होंने अपने एक दोस्त को मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए मंत्री ईश्वरप्पा को जिम्मेदार ठहराया था। बताया जा रहा है कि मौत से कुछ दिन पहले संतोष पाटिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि ईश्वरप्पा उनसे काम के बदले 40 फीसदी कमीशन मांग रहे हैं। वहीं, ईश्वरप्पा दावा कर रहे हैं कि वह पाटिल को नहीं जानते हैं। उनपर लगे सभी आरोप झूठे हैं।

कोरोना के बढ़ते केस से एक्शन में दिल्ली सरकार, फ्री में लगेगी बूस्टर डोज

राजेश अलख

नई दिल्ली, 15 अप्रैल । देश की राजधानी में बढ़ते कोरोना के केस चिंता का कारण बने हुए है। कोरोना की नई लहर की आशंकाओं के बीच अरविंद केजरीवाल सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में कोविड -19 वैक्सीन की प्रीकॉशन डोज (बूस्टर डोज) मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार ने एक बयान में कहा, 'एक ही वैक्सीन की प्रीकॉशन डोज उन लोगों को दी जाएगी, जिन्हें वैक्सीन की पहली और दूसरी खुराक मिली है और जिन्होंने अपनी दूसरी खुराक लेने के नौ महीने पूरे कर लिए हैं।'

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के हवाले से बयान में कहा गया है कि वे सभी लोग जिन्होंने अभी तक टीका नहीं लिया है या केवल पहली खुराक ली है, उन्हें पूर्ण टीकाकरण के लिए जल्द से जल्द अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार, अधिकारियों ने अब तक 52.7 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रीकॉशन डोज दी है। 10 अप्रैल से, 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र लाभार्थियों को खुराक लेने की अनुमति दी गई थी।

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में अपने दैनिक कोविड -19 टैली में तेजी के बीच सरकार का बयान आया है, जिससे संक्रमण की एक और लहर की आशंका है। गुरुवार को, दिल्ली ने 325 नए कोविड -19 मामले सामने आए। जिसके बाद कुल संख्या 18,67,206 तक पहुंच गए।

गुरुवार के मामले की संख्या बुधवार की तुलना में 26 अधिक है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में कोविड -19 सकारात्मकता दर एक सप्ताह में 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 2.7 प्रतिशत हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों ने कहा कि यह कोई भयावह स्थिति नहीं है लेकिन कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए गाइडलाइन्स का पालन करना जरूरी होगा।

दिल्ली सरकार ने भी कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है और वह महामारी की स्थिति पर नजर रखे हुए है। बुधवार को, दक्षिण दिल्ली के एक निजी स्कूल ने दो कोविड -19 मामलों की सूचना आई थी। एक छात्र और एक शिक्षक में कोरोना वायरस की पुष्टि होने के बाद छात्र के सभी सहपाठियों को घर भेज दिया गया। कुछ घंटों बाद, सरकार के शिक्षा निदेशालय ने सभी निजी स्कूलों के लिए एक एडवाइजरी जारी की, जिसमें उन्हें कोविड-उपयुक्त व्यवहार जैसे कि मास्क पहनना, हाथों को साफ करना और सामाजिक दूरी बनाए रखना आदि का पालन करने का निर्देश दिया गया।

हनुमान जयंती पर पुणे में हनुमान चालीसा का पाठ करेगी मनसे, राज ठाकरे भी रहेंगे मौजूद

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सदस्यों ने शनिवार (16 अप्रैल) को हनुमान जयंती के अवसर पर पुणे शहर में हनुमान चालीसा पाठ और महा आरती कार्यक्रम का आयोजन किया है। नेताओं ने कहा कि महाआरती में मनसे प्रमुख राज ठाकरे मौजूद रहेंगे। हाल ही में राज ठाकरे ने महाराष्ट्र और पूरे देश में मस्जिदों के बाहर लाउडस्पीकरों के खिलाफ स्टैंड लिया और 3 मई तक उन्हें हटाने की मांग की।

मनसा प्रमुख राज ठाकरे ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर राज्य सरकार और पुलिस ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाया तो मनसे मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाएगी। इसी क्रम में पार्टी की ओर से बड़ा ऐलान हुआ है कि हनुमान जयंती पर पुणे शहर में हनुमान चालिसा का पाठ और महा आरती का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ठाकरे भी मौजूद रहेंगे।

मामले की जानकारी देते हुए मनसे नेता अजय शिंदे ने कहा, कुमटेकर रोड पर हनुमान मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन राज ठाकरे ने इसे पुनर्निर्मित करने में मदद की। शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर, हमने शहर में हनुमान चालीसा पाठ और महा आरती कार्यक्रम का आयोजन किया है। ठाकरे शाम छह बजे मौजूद रहेंगे और महाआरती में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि मंदिर कुमटेकर रोड पर स्थित है, जो शहर के मध्य भाग में है और एक भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है, पुलिस ने मंदिर का दौरा किया और क्षेत्र की समीक्षा की।

दिल्ली फिल्म पॉलिसी का पोर्टल होगा पूरी तरह डिजिटल, 25 सरकारी एजेंसियां एक जगह पर देंगे मंजूरी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। राजधानी दिल्ली में फिल्मों की शूटिंग के लिए दिल्ली फिल्म पॉलिसी की सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली पूरी तरह से डिजिटल होगी और इस संबंध में एक पोर्टल बनाया जा रहा है ताकि अनुमति प्रदान करने वाली 25 विभिन्न एजेंसियों को 15 दिनों में एक प्लैटफॉर्म पर लाया जा सके।

दिल्ली सरकार इस महीने के अंत तक अपनी फिल्म पॉलिसी को नोटिफाई कर सकती है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि फिल्म निर्माताओं को 'ई-फिल्म क्लीयरेंस' प्रणाली के तहत बोर्डिंग पास जैसा एक अनुमति पत्र दिया जाएगा और इसमें एक क्यूआर कोड होगा जिसमें शूटिंग की मंजूरी के संबंध में सारी जानकारी होगी।

दिल्ली फिल्म पॉलिसी 2022, को 24 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई थी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 26 मार्च को अपने बजट भाषण में भी दिल्ली फिल्म पॉलिसी का जिक्र किया था।

फिल्म पॉलिसी के क्रियान्वयन के लिए नोडल एजेंसी, दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन निगम (डीटीटीडीसी) के एक अधिकारी ने कहा कि एकल खिड़की निपटान इस नीति की विशेषता है और इसके लिए प्रतिबद्ध एक पोर्टल बनाया जा रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह पूरी तरह से डिजिटल होगा। फिल्म निर्देशकों और निर्माताओं को दिल्ली में विभिन्न एजेंसियों के कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे बस पोर्टल पर जा सकते हैं और अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन सभी एजेंसियों को एक साथ भेजा जाएगा जहां से शूटिंग के लिए अनुमति आवश्यक है।

इसके साथ ही इसके तरीके के बारे में बताते हुए अधिकारी ने कहा कि अगर किसी फिल्म निर्माता को किसी ऐतिहासिक स्मारक, बाजार और वेस्ट-टू-वंडर पार्क में शूटिंग करनी है तो आवेदन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), दिल्ली पुलिस और एसडीएमसी को भेजा जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि इन विभागों को 15 दिनों के भीतर अनुमति देनी होगी, लेकिन अगर कोई इसे जल्दी चाहता है तो वे विशेष विभाग को अतिरिक्त भुगतान कर सकते हैं और इसे जल्दी से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक कड़ी प्रक्रिया और कई दौर की बैठकों के बाद दिल्ली पुलिस, एएसआई जैसी सभी 25 एजेंसियां सिंगल विंडो ई-फिल्म क्लीयरेंस सिस्टम के लिए बोर्ड पर आ गई हैं।

उन्होंने कहा कि ई-फिल्म क्लीयरेंस सिस्टम की एक और विशेषता यह होगी कि अनुमति पास एक क्यूआर कोड वाले बोर्डिंग पास के रूप में दिए जाएंगे। अधिकारी ने कहा कि इस क्यूआर कोड में फिल्म की शूटिंग की अनुमति के बारे में सभी आवश्यक विवरण होंगे। यह उन स्थानों की संख्या के साथ-साथ दिनों की संख्या के बारे में बताएगा जहां शूटिंग की अनुमति है।

दिल्ली फिल्म पॉलिसी, 2022 का उद्देश्य कई उपायों के माध्यम से शहर को फिल्मांकन और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए एक केंद्र के रूप में बढ़ावा देना है, जिसमें निर्माताओं का सपोर्ट करने के लिए 50 करोड़ रुपये का 'दिल्ली फिल्म फंड' स्थापित करना और हर साल एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह की मेजबानी करना शामिल है।

मस्क के ऑफर पर 'कठोर' प्रक्रिया अपनाएगा ट्विटर : पराग अग्रवाल

सैन फ्रांसिस्को, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। एलन मस्क द्वारा लगभग 43 बिलियन डॉलर में ट्विटर का अधिग्रहण करने के लिए बोली लगाने के बाद, इसके भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल ने कर्मचारियों को समझाने की कोशिश की है कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक 'कठोर प्रक्रिया' का पालन करेगा।

द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार की देर रात कर्मचारियों के साथ बैठक में अग्रवाल ने कहा कि बोर्ड अभी भी मस्क की पेशकश का मूल्यांकन कर रहा है और 'हमारे शेयरधारकों के सर्वोत्तम हित में' निर्णय करेगा।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, 'कम से कम एक कर्मचारी ने भविष्य में छंटनी की संभावना के बारे में पूछा, जिस पर अग्रवाल ने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन रेटिंग द्वारा निर्धारित नहीं किया जाएगा।'

अगर ट्विटर को निजी तौर पर ले लिया गया तो कर्मचारी स्टॉक विकल्पों का क्या होगा, इस सवाल पर, अग्रवाल ने कहा कि यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

एक टेड कार्यक्रम के दौरान, टेस्ला के सीईओ मस्क ने दर्शकों से कहा कि अगर ट्विटर उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर देता है तो उनके पास 'प्लान बी' है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

अरबपति ने कहा, 'मुझे यकीन नहीं है कि मैं वास्तव में इसे हासिल कर पाऊंगा।'

ट्विटर ने कहा है कि वह 43 बिलियन डॉलर से अधिक के माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण करने के लिए मस्क के 'अवांछित, गैर-बाध्यकारी' प्रस्ताव की सावधानीपूर्वक समीक्षा करेगा।

माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने एक बयान में कहा, 'ट्विटर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स कंपनी और सभी ट्विटर स्टॉकहोल्डर्स के सर्वोत्तम हित में कार्रवाई के पाठ्यक्रम को निर्धारित करने के प्रस्ताव की सावधानीपूर्वक समीक्षा करेगा।'

मस्क ने यूएस एसईसी फाइलिंग में कहा, 'मैंने ट्विटर में निवेश किया है क्योंकि मैं दुनिया भर में मुक्त भाषण के लिए मंच बनने की क्षमता में विश्वास करता हूं और मेरा मानना है कि बोलने की आजादी एक कामकाजी लोकतंत्र के लिए एक सामाजिक अनिवार्यता है।'

बीजेपी के कुछ नेताओं को जेल भेज दिया होता तो महाराष्ट्र में ये हालात पैदा नहीं होते : खड़से

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता एकनाथ खड़से ने शुक्रवार को कहा कि अगर भाजपा के कुछ नेताओं को उनकी गलतियों के लिए जेल भेज दिया गया होता तो महाराष्ट्र में वर्तमान राजनीतिक स्थिति पैदा नहीं होती। गौरतलब है कि खड़से पहले भारतीय जनता पार्टी के सदस्य थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को कानून और तथ्यों के मुताबिक कार्रवाई करनी चाहिए। जलगांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राकांपा अध्यक्ष शरद पवार की उपस्थिति में खड़से ने यह कहा।

उन्होंने कहा, मैंने वलसे-पाटिल साहब (महाराष्ट्र के गृह मंत्री) से कई बार उन्हें (भाजपा नेताओं को) सबक सिखाने को कहा। वे (भाजपा नेता) सैकड़ों मामलों में शामिल हैं। दो. चार (भाजपा नेताओं को) को जेल भेज दिया होता तो यह स्थिति पैदा नहीं होती।

हालांकि, खड़से ने यह नहीं बताया कि इस स्थिति से उनका क्या तात्पर्य था, लेकिन परोक्ष रूप से उन्होंने ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा महा विकास आघाडी सरकार के नेताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई का हवाला दिया। उन्होंने कहा, जो सच है उस पर कार्रवाई कीजिये। किसी को परेशान मत कीजिये। घृणा की राजनीति मत कीजिये। लेकिन उन्होंने जो किया है, उसके लिए उन्हें सजा दीजिये यह लोगों की इच्छा है।

महाराष्ट्र में गहराया बिजली संकट

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। महाराष्ट्र एक बार फिर बिजली संकट से जूझ रहा है। राज्य के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने शुक्रवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के कुछ पॉवर ग्रिलांट में केवल डेढ़ दिन को तो कुछ में तीन और छह दिन का कोयला बचा हुआ है। लोड शेडिंग से बचने के लिए कोयला, पानी और गैस की आपूर्ति की आवश्यकताओं पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि कोयना बांध में 17 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी बचा हुआ है।

मंत्री ने कहा कि बिजली पैदा करने के लिए हर दिन एक टीएमसी की जरूरत होती है। अगर लोड शेडिंग का समाधान करना है तो कोयला, पानी और गैस की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केंद्र के साथ अनुबंध के अनुसार वे राज्य सरकार को एपीएम गैस उपलब्ध कराने के हकदार हैं।

मंत्री राउत ने दावा किया कि केंद्र ने राज्य को आवश्यक एपीएम गैस उपलब्ध नहीं कराई है। महाराष्ट्र सरकार को केंद्र को 2200 करोड़ रुपए देने हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हमें पहले पैसे देने के लिए कहा है और उसके बाद ही वे हमें कोयला मुहैया कराएंगे।

महाराष्ट्र स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड की ओर से विदेशों को 20 लाख मीट्रिक टन कोयले के आयात के बाद राज्य में मई में बिजली सप्लाई में मामूली सुधार हो सकता है। 2500-3000 मेगावाट के अंतर सामना करते हुए महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने अब लोड शेडिंग या बिजली कटौती शुरू कर दी है।

दिल्ली में फिर बढ़े कोविड केस, सिसोदिया बोले- स्कूल के जिस हिस्से से केस आए उसे अस्थायी रूप से बंद किया जाए

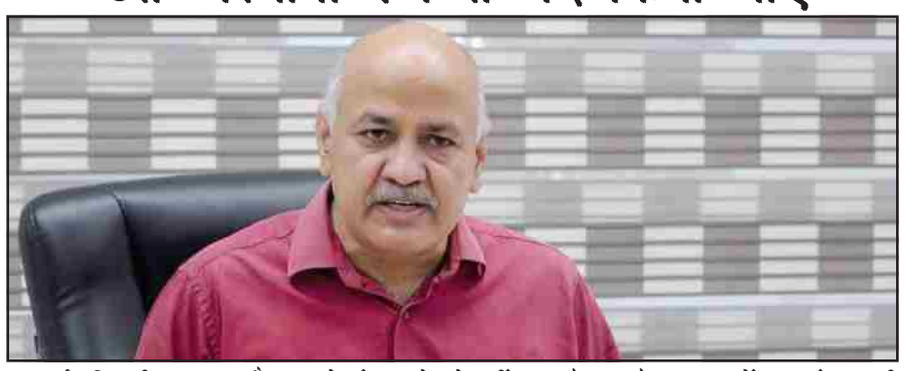

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेन्सी)। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि स्कूलों या कक्षाओं के जिस हिस्से में कोविड-19 के मामले सामने आयें, उसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाना चाहिए।

मनीष सिसोदिया ने स्पष्ट किया कि विशेष परिस्थितियों में समूचे स्कूल को बंद किया जाना चाहिए।

शिक्षा मंत्री सिसोदिया का यह बयान स्कूली बच्चों और अध्यापकों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर आया है। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड की स्थिति की समीक्षा के लिए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की 20 अप्रैल को एक बैठक बुलाई गई है।

सिसोदिया ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, हमने उनसे स्कूलों को बंद करने को नहीं कहा है। हमारे दिशानिर्देश कहते हैं कि किसी खास हिस्से या कक्षा को अस्थायी रूप से बंद किया जाना चाहिए, जहां कोई व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया हो। स्कूल उन विशेष परिस्थितियों में पूरे परिसर को बंद करने का फैसला ले सकते हैं जिनमें संक्रमित विद्यार्थी या अध्यापक स्कूल के कई हिस्सों से होंहमने इसे विकेंद्रीकृत कर दिया है।

शिक्षा निदेशालय ने 13 अप्रैल को कोविड पर राष्ट्रीय राजधानी में स्कूलों को एक नया परामर्श जारी कर उन्हें निर्देश दिया कि यदि किसी छात्र या अध्यापक के संक्रमित होने की पुष्टि होती है तो पूरे परिसर या खास हिस्से को बंद कर दिया जाए।

निदेशालय ने यह भी कहा कि छात्र और अध्यापक मास्क पहनें और आपस में यथासंभव दूरी बनाये रखें।

सिसोदिया ने कहा, हम 20 अप्रैल को डीडीएमए की अपनी अगली बैठक में कोविड की स्थिति की समीक्षा करेंगे। बैठक में, विशेषज्ञ दिल्ली के संदर्भ में अपने अवलोकन एवं विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे। इससे हमें सही फैसला लेने में मदद मिलेगी।

शहर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किये गये आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोविड के 325 नये मामले सामने आये, जबकि संक्रमण दर 2.39 प्रतिशत रही।

महामारी के चलते दो साल के अंतराल के बाद ऑफलाइन कक्षाएं पूरी तरह से फिर से शुरू होने के कुछ ही हफ्तों के अंदर स्कूलों में संक्रमण के मामले बढ़ने की खबरों ने चिंता बढ़ा दी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com